संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक-013/रायगढ़/2020-2022

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 260 मंगलवार 22 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

एयर इंडिया विमान की जांच पर मंत्री की सफाई

राज्यसभा में एयर इंडिया विमान की जांच पर क्या बोले सिविल एविएशन मंत्री

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025(ए)। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान पर नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि एयर इंडिया विमान हादसे की जांच कर रहा विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) पूरी तरह निष्पक्ष एजेंसी है, जो तय नियमों के तहत विस्तृत और ठोस जांच कर रहा है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान नायडू ने कहा, हम सच्चाई के साथ खड़े होना चाहते हैं,किसी और चीज के साथ नहीं.हम जानना चाहते हैं कि एयर इंडिया विमान हादसे में वास्तव में क्या हुआ और यह केवल एएआईबी की अंतिम जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेगा।

हादसे में 260 लोगों की हुई थी मौत

एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद एक इमारत से टकरा गया। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 19 लोग जमीन पर मौजूद थे। विमान में सवार 242 यात्रियों में से केवल एक जीवित बचा।

उच्च सदन में पूरक प्रश्नों के जवाब में मंत्री ने यह भी बताया कि विमान के ब्लैक बॉक्स से डेटा निकालने में एएआईबी को सफलता मिली है। नायडू ने कहा,एएआईबी नियम-आधारित,स्पष्ट और पूरी तरह निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन कर रहा है।

पूर्वाग्रहपूर्ण धारणा न बनाने की अपील

उन्होंने बताया कि 12 जुलाई को एएआईबी ने हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। उनके अनुसार, 17 जुलाई को ब्यूरो ने कहा कि अभी कोई अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाज़ी होगी, क्योंकि जांच जारी है। नायडू के मुताबिक, एएआईबी ने सभी से अपील की है कि वे जांच पूरी होने से पहले पूर्वाग्रहपूर्ण धारणा न बनाएं।

मानसून सत्र से पहले बोले पीएम मोदी- दुनिया ने देखी भारत की ताकत

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया से बात करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य ताकत की मिसाल बताया। उन्होंने साफ कहा इस ऑपरेशन ने सिर्फ भारत की रणनीतिक क्षमता को दुनिया के सामने नहीं रखा, बल्कि ये भी दिखाया कि हम अपनी सुरक्षा और वैश्विक शांति को लेकर कितने गंभीर हैं। मोदी ने इसे देश के लिए गर्व का पल कहा। उनके मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के आकाओं के ठिकानों को महज 22 मिनट में तबाह कर दिया गया।प्रधानमंत्री ने यह भी जोड़ा कि यह मिशन मेड इन इंडिया हथियारों की ताकत का मजबूत उदाहरण है। उन्होंने कहा, दुनिया अब हमारे हथियारों में दिलचस्पी दिखा रही है। जब मैं विदेशी नेताओं से मिलता हूं, तो वे भारत की इस नई सैन्य ताकत की तारीफ करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

2006 मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट के सभी 12 आरोपी बरी

मुंबई,21 जुलाई 2025(ए)। 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले में सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 11 दोषियों को बरी कर दिया है। ये फैसला जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस एसजी चांडक की खंडपीठ ने सुनाया। इस केस में कुल 12 आरोपियों को पहले निचली अदालत ने दोषी ठहराया था, जिनमें से 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हालांकि,हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान 11 दोषियों को बरी कर दिया गया है, जबकि एक आरोपी की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी।

अब यूपीआई से आसानी से निकाल सकेंगे लोन अमाउंट

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025(ए)।अगर आप यूपीआई का यूज करते हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है।

यूपीआई के माध्यम से ओवरड्रॉफ्ट फैसिलिटी को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इसके तहत क्रेडिट लाइन को डायरेक्ट यूपीआई से जोड़ा जाएगा. जिसके बाद आप अपने लोन अकाउंट से पैसा यूपीआई के जरिए आसानी से निकाल पाएंगे।

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन,4 श्रद्धालु घायल

कटरा,21 जुलाई 2025(ए)। जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित प्रसिद्ध वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर सोमवार सुबह माता वैष्णो देवी भवन की ओर जाने वाले रास्ते में बाणगंगा के पास अचानक भूस्खलन हो गया। हादसे में चार श्रद्धालु घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पैदल मार्ग से गुजर रहे थे तभी अचानक भारी पत्थर और मलबा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। चार श्रद्धालु मलबे की चपेट में आ गए।

एअर इंडिया विमान के तीनों टायर फटे,रनवे पर फिसला और फिर कीचड़ में जा धंसा

मुंबई,21 जुलाई 2025(ए)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह भारी बारिश के बीच एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। एयर इंडिया का विमान ए320 लैंडिंग के दौरान फिसल गया। मिली जानकारी के अनुसार सुबह 9:27 बजे, श्रीनगर से आई ये फ्लाइट मुंबई के मेन रनवे 27 पर उतर रही थी। लेकिन जैसे ही विमान रनवे पर धीमा होने लगा, उसका संतुलन बिगड़ गया। विमान फिसलता हुआ 16 से 17 मीटर दूर कीचड़ भरे इलाके में चला गया और टैक्सीवे पर रुक गया।

इंजीनियरिंग छात्रा से बलात्कार के आरोप में कांग्रेस का युवा नेता गिरफ्तार

भुवनेश्वर,21 जुलाई 2025(ए)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में मंचेश्वर पुलिस ने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के

अध्यक्ष उदित प्रधान को 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा से कथित दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। एनएसयूआई कांग्रेस पार्टी का छात्र संगठन है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उदित को रविवार देर रात हिरासत में लिया गया और उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। यह कार्रवाई पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है।

जगन मोहन रेड्डी ने ली रिश्वत

आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में पूर्व सीएम भी फंसे,एसआईटी ने चार्जशीट में बनाया आरोपी

हैदराबाद,21 जुलाई 2025(ए)। आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान 3,500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में एसआईटी द्वारा दायर प्रारंभिक आरोपपत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी का नाम रिश्वत प्राप्तकर्ताओं में से एक के रूप में उल्लेख किया गया है। हालांकि, जगन मोहन रेड्डी का नाम विशेष जांच दल द्वारा यहां एक अदालत में दायर 305 पन्नो के चार्जशीट में शामिल है, लेकिन उन्हें मामले में आरोपी के रूप में नहीं दिखाया गया है।

किस माध्यम से भेजे गए करोड़ों रुपये ?

अदालत ने अभी तक चार्जशीट का संज्ञान नहीं लिया है, जिसमें आरोप लगाया गया कि साल 2019 और 2024 के बीच,डिस्टिलरी से हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये एकत्र किए गए और सहयोगियों और शेल कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से भेजे गए।

20 दिनों में दायर होगा एक और आरोप पत्र

एक गवाह का हवाला देते हुए आरोपपत्र में बताया गया कि किस प्रकार रिश्वत विभिन्न आरोपियों के माध्यम से तत्कालीन मुख्यमंत्री तक पहुंचाई गई। हालांकि, एसआईटी ने अब तक 48 व्यक्तियों और कंपनियों को आरोपी बनाया है, लेकिन आरोपपत्र में केवल 16 का नाम है। अदालत को बताया गया कि 20 दिनों में एक और आरोप पत्र दायर किया जाएगा।

नकद और सोने के रूप में दी गई रिश्वत

चार्जशीट के अनुसार, वाई एस आर सीपी सरकार ने शराब नीति को शराब वितरण पर पूर्ण नियंत्रण रखने के लिए डिजाइन किया था, जिससे आरोपी अधिकारियों को भारी कमीशन मिल सके। इस तरह की रिश्वत का अधिकांश हिस्सा नकद,सोने या सोने के रूप में प्राप्त हुआ था।

राज कासिरेड्डी मुख्य आरोपी

एसआईटी ने दावा किया कि रिश्वत की शुरुआत आधार मूल्य के 12 प्रतिशत से हुई और बाद में इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार, राज कासिरेड्डी उर्फ कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी जो इस मामले में मुख्य आरोपी हैं।

आबकारी नीति में हेराफेरी

उनको मुख्य साजिशकर्ता और सह-साजिशकर्ता बताया गया है। उन्होंने कथित तौर पर आबकारी नीति में हेराफेरी की है। ऑटोमेटिकली ऑपरेट होने वाली प्रॉसेस को मैन्युअल प्रणालियों से बदल दिया और आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड में अपने वफादार अधिकारियों को नियुक्त किया।

30 से ज़्यादा फर्जी कंपनियों को भेजा गया पैसा

यह भी आरोप लगाया गया कि राजशेखर रेड्डी ने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के चुनाव अभियान के लिए 250-300 करोड़ रुपये नकद दिए। कथित तौर पर अपराध की आय को 30 से ज़्यादा फर्जी कंपनियों के ज़रिए पैसा भेजा गया और दुबई तथा अफ्रीका में जमीन, सोना और आलीशान संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया।

सांसद पीवी मिधुन रेड्डी की हुई गिरफ्तारी

वाईएसआरसीपी सांसद पीवी मिधुन रेड्डी की गिरफ्तारी से एक घंटे पहले चार्जशीट दाखिल किया गया। एसआईटी ने उनसे करीब सात घंटे पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। लोकसभा में वाईएसआरसीपी के नेता मिधुन रेड्डी पर कथित घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

एसआईटी ने 268 गवाहों से की पूछताछ

आरोपियों ने कथित तौर पर उन डिस्टिलरियों से ओएफएस से रोक दिया, जिन्होंने रिश्वत की मांग का विरोध किया था। एसआईटी ने अदालत को बताया कि इस मामले में अब तक 62 करोड़ रुपये जब्त किए जा चुके हैं। एसआईटी ने मामले में 268 गवाहों से भी पूछताछ की।

ओडिशा विजिलेंस विभाग ने डीएफओ के 7 ठिकानों पर मारा छापा

115 प्लॉट्स समेत करोड़ों की संपत्ति उजागर

भुवनेश्वर,21 जुलाई 2025 (ए)।ओडिशा विजिलेंस विभाग ने केओंझर जिले के केंदु पत्ता डिवीजन में कार्यरत एक डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर नित्यनंद नायक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान नायक के पास और उनके परिवार के नाम पर कुल 115 प्लॉट्स, एक चार मंजिला आलीशान बिल्डिंग, 1.55 लाख रुपये नकद, 200 ग्राम सोना, दो कारें, कई हथियार और कीमती टीक की लकड़ी से बने फर्नीचर सहित करोड़ों की संपत्ति बरामद की गई है। विजिलेंस विभाग ने 20 जुलाई 2025 को सुबह से ही नित्यनंद नायक की संपत्तियों पर एक साथ 7 जगहों पर छापेमारी शुरू की। ये छापे अंगुल, केओंझर और नयागढ़ जिलों में स्थित उनके निजी और सरकारी ठिकानों पर मारे गए। छापेमारी के दौरान विजिलेंस की 7 टीमों, जिनमें 3 डीएफओ10 इंस्पेक्टर और कई सपोर्टिंग स्टाफ शामिल थे। विजिलेंस ने विशेष न्यायालय, विजिलेंस, केओंझर से जारी सर्च वारंट के आधार पर जांच की। विजिलेंस अधिकारियों ने जो संपत्ति अब तक उजागर की है उसके अनुसार डीएफओ के पास से अंगुल के तुरंगा में करीब 9000 वर्गफुट की चार मंजिला इमारत, 1992-2024 के बीच खरीदे गए कुल 115 प्लॉट्स जिनमें से 53 प्लॉट्स नायक के नाम पर, 42 प्लॉट्स पत्नी के नाम पर,16 प्लॉट्स दो बेटों के नाम पर और 4 प्लॉट्स बेटी के नाम पर हैं। सभी प्लॉट्स अंगुल के छेंडीपदा में स्थित हैं। इन प्लॉट्स की रजिस्टर्ड सेल डीड वैल्यू करीब ₹2.5 करोड़ बताई गई है, लेकिन असल कीमत इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि जमीन रजिस्ट्रेशन में अंडरवैल्यूएशन की आशंका जताई जा रही है।

1.55 लाख रुपये की नकद और 200 ग्राम सोने के जवाहरात भी मिले

डीएफओ के घर से लगभग ₹1.55 लाख नकद भी मिले हैं। विजिलेंस के छापेमारी में डीएफओ के घर से 200 ग्राम सोने के जवाहरात भी मिले हैं। इतना ही नहीं बल्कि डीएफओ को कीमती सागवान की लकड़ी और फर्नीचर का भी बड़ा शौक था। उनके ठिकानों से भारी मात्रा में सागवान की लकड़ी से बने फर्नीचर, इंटीरियर और सजावटी सामान बरामद हुए हैं।

ईडी की कार्यप्रणाली को लेकर जारी होंगी गाइडलाइंस

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान बेहद सख्त और अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि ईडी सभी सीमाएं लांघ रही है और अब उसके लिए कुछ दिशानिर्देश तय करने की जरूरत है। यह मामला कुछ वकीलों को ईडी द्वारा जारी किए गए समन से जुड़ा था। सभी वकीलों ने आर्थिक अपराधों के आरोपियों को कानूनी सलाह दी थी, जिसके चलते एजेंसी ने उन्हें भी समन भेज दिया था। इसी मामले पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की है।

पहलगाम हमले के आतंकी न पकड़े गए,न मारे गए

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025 (ए)। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 22 अप्रैल को हुए इस हमले को लेकर सरकार से तीखे सवाल पूछे। मल्लिकार्जुन खरगे ने नियम 267 के तहत चर्चा की मांग करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के आतंकी अब तक न तो पकड़े गए हैं और न ही मारे गए हैं।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के बयान का हवाला देते हुए इंटेलिजेंस फेल्योर का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एलजी ने माना कि इंटेलिजेंस फेल्योर है। हमको मालूमात तो दी जानी चाहिए।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आ सकता है... महाभियोग प्रस्ताव,150 सांसदों ने किया हस्ताक्षर:सूत्र

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025 (ए)। जस्टिस यशवंत वर्मा मुश्किलों में घिरते जा रहे हैं। आपको बता दें कि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार 21 जुलाई से हो गई है। अब माना जा रहा है कि सरकार संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव ला सकती है। सूत्रों की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए सभी दलों के सांसदों के हस्ताक्षर लिए गए हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत,ईडी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025 (ए)।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। ईडी की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने पार्वती के खिलाफ जारी श्वष्ठ के समन को रद्द कर दिया था इसलिए हाईकोर्ट के फैसले को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।सूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा प्लॉट आवंटन के मामले में ईडी ने पार्वती को पूछताछ के लिए समन भेजा था, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन अस्पताल में भर्ती

चेन्नई,21 जुलाई 2025(ए)।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सोमवार सुबह चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, सुबह की नियमित वॉक के दौरान उन्हें हल्का चक्कर आया, जिसके बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया।अपोलो हॉस्पिटल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि स्टालिन की हालत स्थिर है और डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। बयान के मुताबिक, किसी गंभीर समस्या के संकेत नहीं हैं। सिर्फ लक्षणों की जांच और जरूरी टेस्ट के लिए उन्हें अस्पताल में एडमिट किया गया है।

संपादकीय

इंडिया गठबंधन को तवज्जो नहीं

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेठ दिए गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी। हालांकि एसआईआर को संवैधानिक दायित्व मानते हुए न्यायालय ने आयोग को एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदान के अधिकार को महत्त्वपूर्ण अधिकार करार देते हुए कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका कर्त्तव्य है।पीठ ने एसआईआर का विरोध कर रहे पक्ष की सुनवाई की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस अभियान को चुनौती देने वाली 10 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है और आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। आयोग के इस कथन को पीठ ने रिकॉर्ड में लिया कि एसआईआर के लिए जिन 11 दस्तावेज पर विचार करना था,उनकी सूची संपूर्ण नहीं थी और आदेश दिया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर भी विचार करे।निर्वाचन आयोग के वकीलों के एतराज पर पीठ ने इसे अनिवार्य नहीं बताया लेकिन खारिज करने का ठोस कारण भी पूछा। पीठ ने एसआईआर को रोका नहीं क्योंकि 10 याचिकाकर्ताओं में किसी ने भी इसका अनुरोध नहीं किया था। हालांकि निर्वाचन आयोग संवैधानिक दायित्व के तहत ही पुनरीक्षण का काम कर रहा है,लेकिन जो 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे सब लोगों के पास हों यह संभव ही नहीं है।

डेटा की दलाली और ऋण की रेलमपेल

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

निजी बैंकों का नया लोकतंत्र

कभी दोपहर की झपकी के बीच, कभी सभा के समय,कभी मंदिर के बाहर, तो कभी वाहन चलाते समय –यह स्वर अब हमारे जीवन की अनिवार्य पृष्ठभूमि बन चुका है।

यह मात्र एक स्वर नहीं, बल्कि एक कृत्रिम उत्पीड़न है – जो यह उद्घोष करता है कि हमारे नाम, दूरभाष अंक और आवश्यकताएं अब बाज़ार की संपत्ति बन चुकी हैं।

जब सरकारें डिजिटल भारत के नारे लगाती हैं, उसी समय निजी बैंक हमारे जीवन की शांति को किस्तों में बेचने आ जाते हैं।

हमारा दूरभाष अंक इन्हें कौन देता है?

यह प्रश्न आज हर जागरूक नागरिक के मन में उठता है – आखिर निजी बैंक या ऋण देने वाली एजेंसियों को हमारा मोबाइल नंबर,नाम और अन्य निजी जानकारी कहाँ से प्राप्त होती है?

उत्तर सीधा है–यह जानकारी हम स्वयं ही, अनजाने में, बाज़ार को सौंप देते हैं। जब हम किसी मोबाइल अनुप्रयोग को डाउनलोड करते समय बिना पढ़े मैं सहमत हूँ पर चिह्न लगाते हैं,किसी ऑनलाइन खरीदारी की वेबसाइट पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं, या किसी नौकरी पोर्टल पर अपना विवरण भरते हैं – तब हम अपनी निजता को बाज़ार के हवाले कर देते हैं। ऐसे अनेक मोबाइल अनुप्रयोग होते हैं जो हमारे संपर्क-सूची, संदेशों, स्थान और यहां तक कि हमारे फोटो तक की पहुँच माँगते हैं। और हम, सुविधा के नाम पर, इन्हें सहमति दे देते हैं। बाद में यही जानकारी अलग-अलग बिचौलियों द्वारा निजी बैंकों और विक्रय अभिकर्ताओं को बेच दी जाती है।

यह एक प्रकार की डेटा दलाली है–जिसमें व्यक्ति की निजता को मूल्यवान वस्तु मानकर नीलाम किया जाता है।

सरकारी बैंक क्यों नहीं करते ऐसी धृष्टता?

जहाँ निजी बैंक दिन-रात मोबाइल पर ऋण प्रस्ताव भेजते हैं, वहीं सरकारी बैंक अपेक्षाकृत शांत और पारंपरिक तरीके से कार्य करते हैं।

सरकारी बैंकों में आज भी ऋण प्राप्त करने के लिए भारी कागज़ी कार्यवाही, दस्तावेज़ों की सत्यता, ज़मानतदार और कई प्रकार की प्रमाणिकताएं माँगी जाती हैं। ये बैंक सेवा को प्राथमिकता देते हैं, न कि बिक्री को। उनके पास निजी बैंकों की तरह भारी विपणन (मार्केटिंग) बजट नहीं होता,और न ही एजेंटों को कमिशन देने की उतनी होड़ होती है। इसलिए वे बिना माँगे किसी को कॉल नहीं करते।यही कारण है कि आपको कभी किसी सरकारी बैंक से तत्काल ऋण की सुविधा का फोन नहीं आता,जबकि निजी बैंक आपको ग्राहक से अधिक लाभदायक अवसर के रूप में देखते हैं।

गरीब को ऋण नहीं, कॉल नहीं क्यों?

जो लोग वास्तव में आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, जिन्हें ऋण की आवश्यकता सबसे अधिक है–उन्हें न तो कॉल आता है, न कोई बैंक प्रतिनिधि उनके द्वार पहुँचता है। ऐसे लोगों के पास क्रेडिट स्कोर नहीं होता,उनकी आय अनियमित होती है, और उनके पास न संपत्ति होती है, न बैंकिंग इतिहास। इसलिए बैंक उन्हें जोखिम मानते हैं, संभावना नहीं। वहीं, जिन लोगों ने पहले से किसी ऋण का भुगतान समय पर किया है,जो व्यक्ति ऑनलाइन खरीदारी करते हैं या जिनकी आय अधिक है–वही निजी बैंकों के लिए लक्ष्य होते हैं।इस प्रकार ऋण सुविधा उन तक नहीं पहुँचती, जिन्हें उसकी वास्तव में आवश्यकता है–बल्कि उन तक पहुँचती है जो पहले से संपन्न हैं।

क्या यह कॉल मानसिक उत्पीड़न नहीं है?

यह प्रश्न अब केवल विचार का विषय नहीं रहा–यह वास्तविक अनुभव बन चुका है। अधिकांश लोग दिन में चार-पाँच बार अनचाही कॉल्स से परेशान रहते हैं।

नमस्ते, आपको 5 लाख रुपये तक का ऋण स्वीकृत है

बस एक दस्तावेज़ दीजिए और आज ही राशि प्राप्त कीजिए

आपका ऋण पहले से स्वीकृत है, बस अंतिम चरण बाकी है

इन कॉल्स को ठुकराने पर भी चैन नहीं मिलता। एक नंबर बंद किया तो दूसरा फोन आने लगता है। कृपया मुझे परेशान न करें सेवा सक्रिय करने के बावजूद ये कॉल्स आती रहती हैं।यह एक प्रकार की वित्तीय मानसिक हिंसा है – जिसमें व्यक्ति को यह अहसास दिलाया जाता है कि यदि उसने ऋण नहीं लिया, तो वह कोई अवसर खो रहा है, या आर्थिक दृष्टि से पिछड़ रहा है।

डेटा बेचने वाले कौन हैं?

निजता की यह चोरी केवल बैंकों द्वारा नहीं होती। इसके पीछे एक बड़ा और संगठित तंत्र है–जिसमें मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियाँ, विभिन्न मोबाइल अनुप्रयोग,नौकरी खोजने वाले पोर्टल,बीमा विक्रेता, ई-कॉमर्स कंपनियाँ और यहां तक कि कुछ सरकारी वेबसाइटें भी शामिल हो सकती हैं। यह संस्थाएँ विभिन्न माध्यमों से हमारे निजी विवरण एकत्र करती हैं–और फिर इन्हें कई बार खुले बाज़ार में विक्रय कर देती हैं। कई बार बैंक प्रतिनिधि आपको कॉल करके आपके पिताजी का नाम, आपकी जन्मतिथि,नौकरी,यहाँ तक कि आपकी मासिक आय तक बता देते हैं। इससे स्पष्ट है कि हमारा निजी जीवन अब सार्वजनिक मंच पर बिकने वाली वस्तु बन चुका है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सरकार क्या कर रही है?

सरकार ने वर्ष 2023 में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पारित किया था। इसके अनुसार, किसी भी संस्था को आपकी अनुमति के बिना आपका व्यक्तिगत डेटा उपयोग करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। किन्तु व्यवहार में यह विधेयक आज भी कागज़ों तक ही सीमित है। ना तो कॉल्स रुके हैं,न ही डेटा की दलाली थमी है। जब तक इन नियमों का पालन कराने के लिए कठोर दंड और स्पष्ट नियंत्रण नहीं होंगे, तब तक नागरिकों की निजता मात्र एक हास्यास्पद अवधारणा बनी रहेगी।

महायान,वज्रयान के अलाला कला प्रेमियों पर बुद्ध का अलौकिक प्रभाव

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा उत्तरप्रदेश

हमारे देश की समृद्धि और संस्कृति की ऊंचाई हमारी परंपरा और हमारे संस्कारों पर टिके होते हैं। इसके सबूत इतिहास ने और समग्र मानव जाति ने देखे हैं। भारत के पास उसकी प्राचीन विरासत है। जिससे अनेक तरह की कला, साहित्य और धर्म विश्वस्तर पर पहुंचा है। मात्र देश में ही नहीं, देश की सीमाओं को लांघ कर विदेशों में यानी पूरे एशिया में कला, साहित्य और गुरुओं- बुद्ध, महावीर,कृष्ण,राम और अन्य अनेक भगवान के रूप में पहचाने जाने वाले महापुरुष धर्म को मानवधर्म के साथ जोड़ कर तमाम अनमोल उपदेश दिए हैं। उसमें कला के बहुआयामी प्रकारों का भी समावेश होता है। भगवान बुद्ध के लिए कहा जाता है कि जब वह केवल मानव थे, तब भी वह बहुत समझदार, गहराई से विचार करने वाले और कलापोषक तथा उसी तरह कला प्रचारक दृष्टिकोण रखने वाले थे। उनका यह असर बुद्धिज्म में झलकता है। वियतनामी विचारधारा के अनुसार,बुद्ध शुरू से ही भगवान नहीं थे। वह भी हमारी तरह मनुष्य थे और उन्होंने बहुत कुछ सहन किया था। न्यूयार्क के पहाड़ों-नदियों के साधुओं का कहना है कि बुद्ध अपनी मानवता की आधारशिला पर प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं।

ध्वज, पद्मासन, भिक्षापात्र जैसे बुद्ध के प्रतीक

ओम मणिपद्म ओम का मंत्र, पद्मासन में विराजमान बुद्ध, ऊंची अंगुली दिखाता बालक बुद्ध और उनकी असंख्य अन्य मुद्राओं से शुद्ध कला के दर्शन होते है। उन्होंने पिंड ही ऐसा गढ़ा और दृष्टि ऐसी रची कि उनकी सृष्टि के कणकण में कला के दर्शन होते हैं। इसी से उनके शिष्य, अनुयायी कला के पंथ पर चले। बौद्ध चित्र कला का शिल्प और उसी तरह स्थापत्य कला तमाम नमूनों को प्रदेशों में घुमाने के बाद हम रसिकों को एक से अधिक चित्र कला प्रसाद के रूप में मिलती है। और उसका नाम है रोगन अथवा रोगन चित्र कला। यही दोनों नाम प्रचलित है। बौद्ध शिष्यों ने इस खास कला का अंग्रेजी में नाम खोजा- ड्राइंग ऑयल टेक्निक। विश्व की सब से पुरानी यह चित्रशैली पांचवी सदी में नजरों में आई। यह कला फारस, जो अब ईरान है, वहां से आई। बाकी ग्यारहवीं सदी में तैलरंग परंपरा शुरू हो गई थी। रोगन के रूप में पहचाने गए ये चित्र 1550 साल पहले उत्सुकों के ध्यान में आए। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान के मध्य में स्थित बामियान खाड़ी का बामियान गांव हिंदुकुश पर्वतों के बीच स्थित है, जो राजधानी काबुल से अस्सी मील की दूरी पर है। यहां बुद्ध ने छठी-सातवीं सदी में पत्थरों की दरारों और गुफाओं में उकेरवाई थी। जहां किला, मठ और कलात्मक सामग्रियों की स्वर्गीय शोभा बिखरी पड़ी थी। गौतम बुद्ध के दो विशाल पत्थर के शिल्प छठी सदी के साक्षी है।

उनका विनाश अन्य प्रजातियो ने मिसाइल से किया और उनकी कार्बन डेटिंग की गई। यूनेस्को, भारत का पुरातत्व विभाग और जापान के शोधकर्ताओं ने जांच शुरू की है।

रोगनी काम,रंग रोगन शब्दों में है रोगन कला

असल के समय में होते घांघरा और ओढ़नी के मर्यादित नमूनों में अब नवयुग में लोकप्रिय ऐसी अनेक कलाकृतियों का समावेश हो रहा है। चादर,थैली, थैला, तकिया,तकिया के कवर, टेबल क्लाथ,वाल हैंगिंग, परदा,दुपट्टा, कुरता आदि। भूतकाल में मात्र पुरुषों के लिए कही जाने वाली यह कला अब स्त्रियों ने भी हस्तगत की है। रोगन चित्र कला की कलाकृतियां अब परदेश गमन भी करने लगी हैं। ये एक महंगी भेंट साबित होती हैं। प्रचलित और लोकप्रिय। अब इस कला का गौरव बढ़ता जा रहा है, परंतु साथ ही साथ सभी को लभ्य न होने से लोग मशीन वर्क और सिंथेटिक माध्यमो को स्वीकार करने लगे हैं। इस कला का पुनरुत्थान हुआ है। कला को बनाए रखने वाले कलाकारों द्वारा जागृति धीरे धीरे रंग ला रही है। ये है दो हाथ की कला - दो हाथों के बीच का संवाद, जो हवा में तीव्र गति से पर स्वस्थ चित्त से भांति भांति रचते हैं। आखिर क्या है यह रोगन? और यह तेल वाले चित्र कैसे बनते है? हम तो यही जानते हैं कि कलाकार केनवास पर ऑयल पेंटिंग से विश्वसर्जन करते है। तो यह जान लें कि इसमें किस किस तरह के तेल का उपयोग होता है? रंग तो पांच, पर सवाल अपार। यह मोटे सूती कपड़े,खादी, खद्दर पर होती है, पर इसकी प्रक्रिया कैसी होती है? अरंडी,अलसी, खसखस और अखरोट के अलगअलग गुणवत्ता वाले तेल का इसमें क्या रोल है? रोगन कला को जीवित रखने का श्रेय गुजरात की कलाप्रिय जनता को जाता है। महिलाओं की मांग है कलात्मक वस्त्रों की तो आदमी कैसे चुप बैठा रह सकता है।

बुद्ध की पेंटिंग से शुरू हुई रोगन कला

बामियान में बौद्ध अनुयायियों का नगर हे-जो दो हजार साल बाद मिला है। जहां उनके घर, घरबखरी, लकड़ी, कपड़ा, हर चीज पर बुद्ध ही बुद्ध मिले हैं। अलबत, भग्नावशेष के रूप में चार-पांच सौ साल से रोगन चित्र कला भारत में होती है। गुजरात राजस्थान की सीमा पर डीसा के पास भाभर गांव है, जो रोगन का मैनचेस्टर माना जाता है। इसके अलावा कच्छ के चौबारी,वागड, निरोणा (नखत्राणा), अंजार, भुज, माधापर और गुजरात के अन्य स्थानों मेहसाणा, पाटन, वीरमगाम,अहमदाबाद में भी प्रस्तुत कला के अंश मिलते हैं। वर्तमान में कच्छ के निरोणा और भुज के माधापर गांव के सन्निष्ठ कलाकार इस लुप्त हो रही और खासी महंगी कला का निष्ठा से जतन कर रहे हैं। माधापर के आशिष कंसारा रोगन कला को जीवित रखने के लिए खुद भी कलाकृतियां बनाते हैं और उनके तालीम शिविर आयोजित कर नई पीढ़ी को इससे अवगत कराते हैं। इस कला की व्यापकता और प्रकार बहुत व्यापक है, जिसे दिल से समझने के लिए आशिष बचपन से ही सक्रिय हैं। गुरु अशोक से मिली समझ को यह निष्ठावान शिष्य चारों ओर फैला रहा है। अपने किए गए अध्ययन के निष्कर्ष के आधार पर उनका कहना है कि रोगन कला अनेक विषयों को ध्यान में रख कर की जा सकती है, जिसमें सीमित मात्रा में मात्र पांच ही रंगों का सीमित उपयोग किया जाता है तो शास्त्रोक्त पद्धति के अनुसार इसमें हरा,पीला, भूरा, सफेद और केशरी रंग लगाया जाता है। पुराने समय में गुजरात में भरवाड़, रबारी,अहीर और पटेल परिवारो में महिलाएं रोगन कला वाले कपड़े पहनती थीं। खास कर लड़कियों के विवाह में दहेज में इसी कला से बना घेर वाला घांघरा देने के रिवाज था, वह भी मोटे खद्दर के कपड़े का।

अनपेक्षित कतई नहीं मतदाता सूची पुनरीक्षण

बिहार में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण या इंटेंसिव रिवीजन का इलेक्टरल रोल जिस तरह विरोध और हंगामा का विषय बना है वह अनपेक्षित कतई नहीं है। कांग्रेस पार्टी और अनेक भाजपा विरोधी दल, एक्टिविस्ट, पत्रकार, एनजीओ आदि काफी समय से चुनाव आयोग विरोधी तीखा अभियान चला रहे हैं। राहुल गांधी तो पुनरीक्षण आरंभ होने के पहले से ही आरोप लगा रहे हैं कि हेर-फेर कर भाजपा को जिताने का काम चुनाव आयोग करेगा। विरोधी बार-बार आयोग के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय जाते और निराश वापस आते हैं। उच्चतम न्यायालय ने इस बार भी पुनरीक्षण प्रक्रिया रोकने की उनकी अपील खारिज कर दिया। हालांकि आगे वह सुनवाई के लिए सहमत हुआ है। सुनवाई के एक दिन पहले इंडिया गठबंधन की ओर से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार की राजधानी पटना में चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च किया गया। चुनाव आयोग का विज्ञापन कहता है कि गणना प्रपत्र भरने की अवधि 25 जून से 26 जुलाई है और मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 1 अगस्त,2025 को होगा। दावे और आपत्तियों की अवधि 1 अगस्त से 1 सितम्बर, 2025 है और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितम्बर, 2025 को किया जाएगा। इसका अर्थ हुआ कि किसी का नाम छूट गया तो दावा करने के लिए एक महीने का समय है।तो बिना देखे कि किसका नाम जुड़ा, नहीं जुड़ा इस तरह के विरोध का औचित्य क्या है? आयोग पर पहला आरोप है कि वह इतनी जल्दी बड़े प्रदेश के मतदाताओं की सूची कैसे बना लेगा? जब 2002 में मतदाता सूची का बिहार में पुनरीक्षण हुआ था तब 15 जुलाई से 14 अगस्त यानी वर्तमान के अनुसार ही 31 दिन का समय था। क्या 22- 23 वर्ष के बाद मतदाता सूची की गहनता से जांच-परख नहीं होनी चाहिए? अगर चुनाव आयोग ने इसके लिए आवश्यक जनसंपर्क और आधार कार्य नहीं किया तो आलोचना होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा है कि पिछले 4 महीने में प्रत्येक विधानसभा, जिला में सर्वदलीय बैठक की गई और लगभग 5 हजार ऐसी बैठकों में 28 हजार लोगों ने भाग लिया।आयोग ने लगभग 80 हजार बीएलओ या बूथ लेवल ऑफिसर नियुक्त किए हैं जो मतदाताओं के घर पहुंच रहे हैं। राजनीतिक दलों ने भी 1.54 लाख बूथ लेवल एजेंट बनाए हैं। भारी संख्या में स्वयंसेवक भी सक्रिय हैं। कुल 16 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म प्रकाशित किए गए। एक फॉर्म रिसिप्ट के रूप में मतदाता के पास रहेगा और दूसरा बीएलओ रखेंगे। ऑनलाइन पोर्टल पर भी फॉर्म जमा करने की व्यवस्था है। इसलिए यह नहीं कह सकते कि ड्राइव बिल्कुल अव्यावहारिक है। पहचान सुनिश्चित करने पर चुनाव आयोग के जोर का सबसे तीखा विरोध हो रहा है। पहले कुछ तथ्य पर बात करें। 1 जनवरी, 2003 की सूची में मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 96 लाख थी। वर्तमान में यह संख्या 7 करोड़ 89 लाख है। तो लगभग 2 करोड़ 93 लाख मतदाताओं को ही पहचान सुनिश्चित करनी होगी। जिन मतदाताओं के नाम 2003 में है उसके अलावा जिनका नाम आया उनको ही जन्मतिथि, जन्म स्थान आदि साबित करने वाले दस्तावेज देने होंगे। उनमें भी माता-पिता का नाम 2003 मतदाता सूची में है तो माता-पिता की पहचान साबित करने के लिए दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं। केवल 2003 वाली मतदाता सूची के उस हिस्से की कॉपी बीएलओ को देनी होगी जिसमें उनके माता-पिता का नाम लिखा है। जिनके नाम 2003 में हैं उन्हें केवल उसकी फोटो कॉपी बीएलओ को फॉर्म जमा करते समय देनी है जिसमें उनका नाम है। क्या 2003 की मतदाता सूची में नाम न होने वाले के पास अगर जन्मतिथि तथा जन्म स्थान साबित करने के प्रमाण नहीं हो तो नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा?इसकी आशंका है। पर आयोग का कहना है कि दस्तावेजविहीन व्यक्ति की भारतीय पहचान को सुनिश्चित करने का काम क्षेत्र के एसडीम करेंगे और उनके कागजात का पता लगाने के लिए वालंटियर नियुक्त किए गए हैं। बिहार में चुनाव आयोग ने यह डरावनी जानकारी दी है कि पुनरीक्षण में ऐसे विदेशी नागरिक मिले जो मतदाता बन चुके हैं। उनकी जानकारी गृह मंत्रालय को दी जा रही है और नागरिकता सुनिश्चित होने के बाद ही तय होगा कि वे मतदाता रहेंगे या नहीं। राजनीतिक दलों ने इस पर भी तूफान खड़ा कर दिया। निस्संदेह,आधार कार्ड या राशन कार्ड बनवाना आसान नहीं होता। इसलिए चिंता का विषय है कि यह हमारी नागरिकता का प्रमाण-पत्र नहीं है। बिहार के भारी मुसलमान जनसंख्या वाले चार सीमांचल जिलों में आधार कार्ड के आंकड़े हैरत में डालते हैं। बिहार में औसत आधार कार्ड आबादी के 94 फीसद है। किशनगंज में 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और आधार सैचुरेशन 126 प्रतिशत है,कटिहार (44 प्रतिशत) में 123 प्रतिशत,अररिया (43प्रतिशत) में 123प्रतिशत,और पूर्णिया (38 प्रतिशत) में 121 प्रतिशत आधार सैचुरेशन है। आबादी से अधिक आधार कार्ड कैसे बने हुए हैं? पिछले वर्ष अररिया में एक बंगलादेशी घुसपैठियों पकड़ा गया जिसके पास पश्चिम बंगाल के 24 परगना से बना आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र था। बांग्लादेशी घुसपैठियों की लड़ाई केवल असम और बंगाल में नहीं बिहार के इन सीमांचल जिलों में भी रही है। क्या विरोधियों के दबाव में उन सबकी जांच नहीं होनी चाहिए? संविधान की धारा 326 चुनाव आयोग को भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में अंकित करने का अधिकार देता है। हालांकि नागरिकता की पहचान चुनाव आयोग की जिम्मेवारी नहीं है। इसीलिए उसने गृह मंत्रालय को मामला स्थानांतरित किया है। विरोधी चाहे इसे एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को परोक्ष रूप से लागू करना माने या कुछ और किंतु भारतीय नागरिकों तक ही मतदान की व्यवस्था और पूरी मतदान प्रणाली की शुचिता तथा भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सतर्कता आवश्यक है।

–अवधेश कुमार–

कविता
मुट्ठी में कैद है...

घटती-घटना

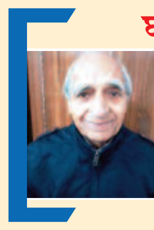

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

हमारे मां-बाप की मुट्ठी में कैद है भविष्य हमारा
परमात्मा की मुट्ठी में कैद है सुख दुःख हमारा!
परिवार के सदस्यों की मुट्ठी में कैद है चैन हमारा
हमारे अपने व्यवहार मैं कैद है अच्छा चरित्र हमारा!
हमारे बच्चों की मुट्ठी में कैद है मान सम्मान हमारा
हमारे कर्मों की मुट्ठी में कैद है पाप और पुण्य हमारा!
हमारे परिश्रम की मुट्ठी मे कैद है सफल होना हमारा
हमारे अनुभव की मुट्ठी में कैद है सब व्यवहार हमारा!
हमारे खान पान की मुट्ठी में कैद है स्वास्थ्य हमारा
पुस्तकों के अध्ययन की मुट्ठी में कैद है ज्ञान हमारा!
हमारे अभ्यास की मुट्ठी में कैद है बनना सुजान हमारा
हमारे नजरिए की मुट्ठी में कैद है कोई पसंद होना हमारा।
हमारी वफादारी की मुट्ठी में कैद है प्रिय होना हमारा
हमारे स्मरणकी मुट्ठी में कैद है दिमाग में रहना हमारा।
पैसे की मुट्ठी में कैद है सुख दुख आजकल बेचारा हमारा
आमदनी की मुट्ठी में कैद है घर का अच्छा गुजारा हमारा।

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

देश में मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है,लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी। चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना,बक्सर,रोहतास,सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था। बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो,लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं।

–प्रमोद भार्गव–

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

पीएसवाय-उत्कृष्टता सम्मान समारोह 2025-26 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा ने राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान परीक्षा के संभाग स्तरीय परीक्षा में चयनित बच्चों को किया सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को पीएसवाय-उत्कृष्टता सम्मान समारोह 2025-26 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा ने राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान परीक्षा के संभाग स्तरीय परीक्षा में चयनित बच्चों को सम्मानित किया। इस दौरान उपायुक्त सरगुज़ा श्री आर.के. खूंटे एवं श्रीमती शारदा अग्रवाल, संयुक्त संचालक शिक्षा श्री संजय गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरगुज़ा सम्भाग के जिलों सरगुजा,जशपुर,कोरिया, एमसीबी, सूरजपुर जिलों के विभिन्न विद्यालय के प्राचार्य,शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने बच्चों को बधाई दी तथा आगामी राज्यस्तरीय परीक्षा हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती, हमारे सरगुजा सम्भाग के बच्चों ने जो

उपलब्धि हासिल की है वह हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह परीक्षा आने वाले भविष्य के लिए पहली सीढ़ी है, आगे आपको ऐसे कई परीक्षाओं का सामना करना है। लक्ष्य निर्धारित कर खूब मेहनत करें, निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। राज्य स्तरीय परीक्षा हेतु चयनित लेखन, चित्रकला और सामान्य ज्ञान विधा की परीक्षा में कुल 23 बच्चे का चयन हुआ है, जिनमें से कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बता दें राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान परीक्षा नीति आयोग के द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें पूरे देश के बच्चे तीन विधाओं में भाग लेते हैं। जिसमें चित्रकला, सामान्य ज्ञान के प्रश्न और शोध पर आधारित प्रतियोगिताएं होती हैं। इसके तहत बच्चों को प्रवीणता सूची के आधार पर नगद राशि और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाता है।

ये हुए सम्मानित : इस दौरान सरगुजा जिले के प्रियेश सिंह एवं संध्या गुप्ता, एमसीबी जिले से अक्षत गोयल, सूरजपुर जिले से मान्यता जायसवाल एवं विहान ठाकुर सम्मानित हुए। वहीं जशपुर जिले से प्रज्ञा केरकेट्टा,मंदाकिनी चक्रवर्ती,निधि ठाकुर,खुशी यादव, आँचल गुप्ता,मधु कंवर,सुमन रानी, यश तिवारी, रश्मि राठिया, आयुष कुमार तथा कोरिया जिले से कृशा अग्रवाल, अभिज्ञान, निधि राजवाड़े सम्मानित हुए।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाए गए पौधे

इस दौरान संभागायुक्त कार्यालय परिसर में सरगुजा संभागायुक्त श्री दुग्गा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बच्चों के साथ मिलकर पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाना आवश्यक है, पेड़ लगाने के बाद उसकी सुरक्षा का दायित्व भी हमारा है। इसलिए पेड़ अवश्य लगाएं और अपने रिश्तेदारों,आस-पड़ोस के लोगों को भी प्रेरित करें।

प्रसाधन सामग्री की शुद्धता पर सख्त हुआ ड्रग विभाग

अम्बिकापुर के कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
राज्य शासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन,छत्तीसगढ़ के निर्देश पर त्योहारों के मद्देनज़र प्रसाधन सामग्री (कास्मेटिक्स) की गुणवत्ता की जांच हेतु अम्बिकापुर में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत औषधि निरीक्षक श्री अमरेश कुमार तिर्की के नेतृत्व में शहर के प्रमुख कास्मेटिक्स विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डे टू डे रिटेल्स (बनारस रोड), नेहा फैशन पार्क (चांदनी चौक),सहेली स्टोर्स (देवीगंज रोड),चावला जनरल स्टोर्स (बाबरा कॉम्प्लेक्स) एवं महामाया श्रृंगार (गुदरी गली) जैसे प्रतिष्ठानों में प्रसाधन सामग्रियों की बिक्री और भंडारण की जांच की गई। संदेहास्पद उत्पादों के विधिक नमूने संकलित कर राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर भेजे गए हैं। औषधि निरीक्षक ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान आम नागरिकों को मानक गुणवत्ता वाली सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जारी किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे सौंदर्य प्रसाधनों की खरीद के समय उत्पाद की पैकेजिंग, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि एवं निर्माता की जानकारी की जांच अवश्य करें।

ग्रामीणों की मांग और शिकायतों का कलेक्टर ने त्वरित कार्रवाई का दिया निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
जिले के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर जनदर्शन में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों व समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। जनदर्शन में ग्रामीणों ने मुख्य रूप से राजस्व संबंधी मामले जैसे सीमांकन,ऋण पुस्तिका सुधार, बटवारा, वन अधिकार पत्र,अतिक्रमण,फौती नामांतरण,भूमि अधिग्रहण,अनुकंपा नियुक्ति, पीडीएस राशन वितरण में अनियमितता से जुड़ी शिकायतें एवं मांगें कलेक्टर श्री विलास भोसकर के समक्ष रखीं। वहीं कलेक्टर ने कई मामलों में तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि संबंधित प्रकरण का निराकरण सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मामलों की त्वरित जांच कर आवश्यक कार्यवाही करें और आवेदकों को यथाशीघ्र राहत प्रदान करें। उन्होंने कहा कि, आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए ताकि हर व्यक्ति को न्याय मिले।

विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की अंतिम चयन सूची एवं अंतिम प्रतीक्षा सूची प्रकाशित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
स्वास्थ्य सेवाएं के संभागीय संयुक्त संचालक ने बताया है सरगुज़ा सम्भाग के अधीन संस्थाओं में पुरूष पर्यवेक्षक पद पर कार्यरत कर्मचारियों, सहायक ग्रेड-03/सहायक ग्रेड-02 संवर्गीय /लेखापाल पद पर कार्यरत कर्मचारियों तथा एम.पी.एच.डब्ल्यू.(पुरूष/वरिष्ठ सेनेटेरियन/फिजियोथैरेपी टेक्निशीयन) के पद पर कार्यरत कर्मचारियों की 01 अप्रैल 2025 की स्थिति में अंतिम चयन सूची एवं अंतिम प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन किया गया है। भर्ती नियमों में निहित प्रावधानों के तहत विभिन्न संवर्गों की विभागीय पदोन्नति किये जाने हेतु आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय के पश्चात अन्तिम चयन सूची व प्रतिक्षा सूची पर दावा आपत्ति का अवलोकन कर अन्तिम चयन एवं अन्तिम प्रतिक्षा सूची पर अपना हस्ताक्षर कर सूची जारी किया गया है। जिसका अवलोकन जिले की वेबसाइट http://www.surguja.gov.in/ में कर सकते है। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सूचना पटल पर भी देखी जा सकती है।

कैलाश गुफा जाने 85 किलोमीटर की पदयात्रा पर रवाना हुए कांवरिये

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
सावन के दूसरे सोमवार को शंकरघाट बांक नदी से बड़ी संख्या में कांवरियों ने जल उठाया। वे 85 किलोमीटर की पद यात्रा कर कैलाश गुफा पहुंच कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान पूरा माहौल भक्तिमय रहा। बोल बम व हर-हर महादेव के जयकारे माहौल गूंजता रहा। अंबिकापुर से लेकर बतौली तक भक्ति और उल्लास के बीच कांवरियों का रेला लगा रहा। जगह-जगह कांवरियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। कांवर यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी की गई थी।

जिला प्रशासन द्वारा अफसरों की मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाई गई थी। सरगुजा कांवरिया सेवा संघ के तत्वावधान में कांवर पदयात्रा पिछ्ले 40 वर्षों से निकाली जा रही है। इस वर्ष भी सोमवार को शंकरघाट बांक नदी से जल उठाकर बड़ी संख्या में कावंरिये कैलाश गुफा के लिए रैली की शक्ल में रवाना हुए। कांवरियों का जत्था रविवार की देर रात से निकलना शुरू हो गया था। कांवर यात्रा में सरगुजा सहित कोरिया, रायगढ़, जशपुर जिले के अलावा सीमावर्ती राज्यों से भी काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कांवर यात्रा में शामिल होने के लिए रविवार की दोपहर से ही कांवरियों का पहुंचना शुरू हो गया था। सोमवार की मध्यरात्रि के बाद एक बजे से ही स्थानीय शंकरघाट में बांक नदी से जल उठाने कांवरियों का हुजूम उमड़ पड़ा। हजारों कांवरियों ने शंकरघाट में ही अपना पड़ाव डाल रखा था।

कांवर पदयात्रा के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय रहा। इस दौरान विभिन्न संगठनों द्वारा आकर्षक झांकियां भी निकाली गई। भोलेनाथ-पार्वती व भगवान गणेश की जीवंत झांकी निकाली गई। इस दौरान झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। वहीं शहर में कांवरियों को जगह-जगह स्वागत भी किया गया।

जगह-जगह कांवरियों का स्वागत

रास्ते भर विभिन्न संगठनों द्वारा कांवरियों का स्वागत, जलपान व नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। यात्रा स्थानीय शंकरघाट से प्रारंभ होकर लुचकी, चेंद्रा, लमगांव होते देर शाम बतौली पहुंची। यहां विश्राम करने के बाद जत्था कैलाश गुफा के लिए रवाना हुआ, वे गुरुवार को जलाभिषेक करेंगे।

अंबिकापुर स्वच्छता सुपर लीग में राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर नगर निगम टीम ने की कलेक्टर से सौजन्य भेंट

स्वच्छता में नंबर वन की पहचान बनाए रखें : कलेक्टर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
स्वच्छता सुपर लीग में प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के उपरांत अंबिकापुर नगर निगम की टीम ने आज कलेक्टर श्री विलास भोसकर से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कलेक्टर ने निगम आयुक्त श्री डी.एन. कश्यप एवं निगम टीम को इस प्रतिष्ठित उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह सम्मान नगर निगम सहित पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। कलेक्टर ने नगर निगम द्वारा कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक प्रतिबंध, स्वच्छता नवाचार और जनभागीदारी जैसे क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, कि स्वच्छता केवल पुरस्कार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारी आदत और संस्कृति बननी चाहिए। अम्बिकापुर नगर निगम ने पूरे देश में जो छवि बनाई है, उसे बनाए रखना और लगातार सुधार करते रहना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नगर निगम की टीम को

आगे भी नंबर वन पर बने रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने और युवाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। आयुक्त श्री डी.एन. कश्यप ने निगम के प्रशासनिक सहयोग और जनप्रतिनिधि, नागरिकों की जागरूकता को इस सफलता का प्रमुख आधार बताया। स्वच्छ अम्बिकापुर सिटी लेवल फेडरेशन की अध्यक्ष सुश्री शशिकला सिन्हा ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने स्वच्छता हमारी टी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करते हैं, हमारा शहर स्वच्छता के क्षेत्र में फाइव स्टार मिला है,जिसे बरकरार रखने के लिए उन्होंने आम नागरिकों से सहयोग करने की अपील की है। इस दौरान स्वच्छता दीदी सुश्री ज्ञानलता कुजूर में सहित नगर निगम की टीम उपस्थित रहे।

कांग्रेस का चक्काजाम व बिजली कार्यालय का घेराव आज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अडानी के व्यापारिक हितों की रक्षा करने के भाजपा सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए 22 जुलाई को प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी और चक्काजाम का ऐलान किया है।

इस क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी,सरगुजा द्वारा अंबिकापुर में बनारस रोड स्थित बीटीआई के पास चक्काजाम किया जाएगा। बनारस रोड उत्तर भारत को छत्तीसगढ़ से जोड़ता है और इस मार्ग से भारी मालवाहक वाहनों की आवाजाही होती है, जिसके चलते इस स्थान का चयन किया गया है। चक्काजाम के दौरान एम्बुलेंस और स्कूली बच्चों के वाहनों को छूट दी गई है, साथ ही आम नागरिकों को असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया है। कार्यक्रम के पश्चात कांग्रेस दोपहर 2 बजे सीएसपीडीसीएल के नमनाकला स्थित कार्यालय का घेराव करेगी। यह जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

शरणार्थी पुनर्वास भूमि पर विवाद,स्थानीय निवासियों की सुरक्षा को लेकर उठी मांग

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में बांग्लादेश से आए शरणार्थियों को सरकार द्वारा जीविकोपार्जन के लिए दी गई 5 से 7 एकड़ भूमि अब विवादों में घिर गई है। सुभाषनगर, भगवानपुर,तुर्रापानी,डिगमा, नेहरूनगर,अजीरमा,चठीरमा व सरगवां जैसे इलाकों में शरणार्थियों ने उक्त भूमि अनुबंध के माध्यम से स्थानीय निवासियों को बेच दी, जिस पर ये लोग पिछ्ले 25-30 वर्षों से मकान बनाकर रह रहे हैं। हालांकि राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज न होने से मूल भूमि धारक या भूमाफिया अब उस भूमि को अधिक कीमत पर अन्य लोगों को बेच रहे हैं, जिससे पुराने निवासियों को कानूनी विवाद, झगड़े और उत्पीडऩ का सामना करना पड़ रहा है।

इससे शासन-प्रशासन की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना भौतिक सत्यापन के किसी भी प्रकार का नामांतरण, बंटवारा या विक्रय पर रोक लगाई जाए तथा इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी आमजन को दी जाए। निवासियों ने स्थायी समाधान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज,अंबिकापुर में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए 6 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम प्रारंभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज के सभागार में नवप्रवेशित प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं (सत्र 2025) के लिए 21 जुलाई से 6 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। यह कार्यक्रम 26 जुलाई तक चलेगा, जिसका उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराना और उनके शैक्षणिक जीवन की मजबूत नींव रखना है। प्रथम सत्र में कॉलेज की परिचयात्मक जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा आयुषी खाखा और समूह द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना गीत से हुई, इसके पश्चात रेनू खेस ने पवित्र बाइबल का पाठ किया। स्वागत गीत किरण व उनके समूह ने प्रस्तुत किया, जिसने पूरे माहौल को आनंदित कर दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसफ ने छात्राओं का अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और जीवन में निरंतर सीखते रहने तथा कठोर परिश्रम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन

और विचारों को उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत करते हुए छात्राओं से उनका अनुसरण करने का आह्वान किया। प्राचार्य ने बताया कि इस वर्ष से सभी विभागों में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए ब्रिज कोर्स की शुरुआत की गई है, जिससे उनकी शैक्षणिक नींव को सुदृढ़ किया जा सके। द्वितीय सत्र में उप प्राचार्य डॉ. सि. मंजू टोप्पो ने कॉलेज की नियमावली को विस्तारपूर्वक समझाया। इसके साथ ही रोचक व ज्ञानवर्धक शॉर्ट वीडियो दिखाए गए। छात्रा आर्या नामदेव व पदमा झा ने मंच से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभा खोज का आयोजन भी हुआ। मंच संचालन डॉ. कल्पना गुहा (सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकगण व छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

बांग्लादेश एयरफोर्स का विमान ढाका के स्कूल पर गिरा

20 लोगों की मौत,171 घायल

ढाका,21 जुलाई 2025 । बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 170 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है। नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट के अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद सईदुर रहमान ने बताया कि वायुसेना का विमान माइलस्टोन कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें विमान के पायलट सहित कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की है। सूचना मिलने पर बांग्लादेशी सेना के सदस्य, अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा की आठ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया।

माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिरा विमान

बांग्लादेश सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि वायुसेना का प्रशिक्षण विमान एफ-7 बीजीआई ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया। अग्निशमन अधिकारी लीमा खान ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण विमान ने दोपहर लगभग 1ः06 बजे उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई। आग बुझाने के लिए अग्निशमन दल की आठ दमकल मौके पर पहुंच गईं। माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज के प्रवक्ता ने कहा कि विमान स्कूल के गेट के पास गिरा। स्कूल परिसर में जहां विमान हादसा हुआ, वहां कक्षा चल रही थी। घायलों को एक-एक करके बाहर निकाला जा रहा है।

स्कूल की इमारत ने टकराया विमान : बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी सादमान रुहसिन ने बताया कि विमान स्कूल की इमारत से टकराया। सेना और अग्निशमन सेवा के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे और छात्रों तथा अभिभावकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सेना के जवान घायल छात्रों को बाहों में बाहर लाते देखे गए। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि जब विमान कॉलेज परिसर से टकराया, तब वह दस मंजिला कॉलेज भवन के पास खड़े थे। दोपहर एक बजे के कुछ ही देर बाद विमान बगल की तीन मंजिला स्कूल इमारत के सामने वाले हिस्से से टकरा गया, जिससे कई छात्र उसमें फंस गए।कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी छात्रों को बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने कहा कि मैंने एक घायल छात्र को बाहर निकाला और एक महिला शिक्षक को जली हालत में देखा।

पीएम मोदी ने जताया दुख

पीएम मोदी ने लिखा कि ढाका में हुए दुखद विमान हादसे में कई लोगों, जिनमें कई छात्र भी शामिल हैं, की मौत से गहरा दुख हुआ है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं। भारत, बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है और हरसंभव सहायता देने को तैयार है।

मामले में क्या बोला स्वास्थ्य मंत्रालय

वहीं इस मामले में हेल्थ मिनिस्ट्री के विशेष सहायक प्रोफेसर डॉ सैयदुर रहमान ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में हुई, जबकि दो लोगों ने कुरमिटोला जनरल हॉस्पिटल में दम तोड़ा। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा हादसा है और सरकार सभी संसाधनों के साथ राहत और इलाज में जुटी है। ढाका मेडिकल कॉलेज और अन्य अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी का आरोप

इजराइल ने टैंक स्नाइपर और अन्य हथियारों से किया भीड़ पर हमला

दीर अल-बलाह,21 जुलाई 2025। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने इस्राइल पर आरोप लगाया है कि उसने सोमवार को टैंक, स्नाइपर और अन्य हथियारों का उपयोग करके मदद मांगने वाले सहायता मांगने वाले फलस्तीनियों की भीड़ पर गोलीबारी की। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे पिछले 21 महीनों के संघर्ष में सहायता मांगने वालों के लिए सबसे खौफनाक दिनों में से एक बताया है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने रविवार को एक बयान में उत्तरी गाजा में हिंसा की निंदा की। फलस्तीनी लोग भोजन लाने वाले ट्रकों के काफिले तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस घटना में 80 लोग मारे गए। वहीं, इस्राइली सेना ने कहा कि उसने तत्काल खतरे को हटाने के लिए चेतावनी के लिए गोलियां चलाईं। सेना ने फलस्तीन की ओर से बताए गए मौत के आंकड़ों पर सवाल उठाए। डब्ल्यूएफपी आमतौर पर इस्राइल के साथ अच्छे संबंध रखती है। हालांकि, उसने आरोप लगाया कि इस्राइल ने भीड़ पर गोलीबारी की। यह आरोप चश्मदीदों और अन्य लोगों के उन बयानों पर आधारित है, जिसमें उन्होंने कहा कि इस्राइल ने गोलीबारी की। भोजन और मदद पाने के दौरान हुई इस गोलीबारी से गाजा के लोगों की स्थित और भी जटिल हो गई, क्योंकि वे खाने और दूसरी सहायता के लिए बेचैन हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। इस्राइल और हमास अभी भी युद्धविराम की बातचीत कर रहे हैं, लेकिन कोई बड़ा परिणाम नहीं निकला है और यह साफ नहीं है कि कोई समझौता युद्ध को हमेशा के लिए रोक पाएगा या नहीं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस युद्ध प्रभावित क्षेत्र में मारे गए फलस्तीनियों का आंकड़ा 58,800 से ज्यादा हो गया है। यह मंत्रालय हमास के लड़ाकों और आम नागरिकों में फर्क नहीं करता है। मंत्रालय का कहना है कि मारे गए लोगों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं।

यह मंत्रालय हमास सरकार का हिस्सा है,लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन इसे हताहतों के आंकड़ों का सबसे भरोसेमंद स्रोत मानते हैं। इस बीच, इस्राइल ने गाजा के उस इलाके के लोगों को भी जगह खाली करने का आदेश दिया है,जो अब तक युद्ध में ज्यादा प्रभावित नहीं था। इससे संकेत मिल रहे हैं कि यह इलाका युद्ध का नया मैदान बन सकता है और फलस्तीनियों को गाजा के छोटे-छोटे हिस्सों में सिमटना पड़ सकता है। डब्ल्यूएफपी ने खाद्य वितरण केंद्रों पर हुई हिंसा की कड़ी निंदा की है।

इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज

रिपोर्ट में दावा-व्हाइट हाउस बोला-नेतन्याहू पागल हो गए,बच्चों जैसी हरकतें कर रहे...

वॉशिंगटन डीसी,21 जुलाई 2025। इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज हैं। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस, इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बर्ताव पर नाखुशी जाहिर की है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने नेतन्याहू को 'पागल' और 'ऐसा बच्चा जो सही व्यवहार नहीं करता' तक कह दिया है। व्हाइट हाउस का मानना है कि नेतन्याहू बेकाबू हो गए हैं और इस तरह काम कर रहे हैं, जैसे उनके पीछे कोई राजनीतिक एजेंडा हो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्सियोस को बताया कि 'बीबी (नेतन्याहू) पागलों जैसी हरकतें कर रहे हैं। वह हर जगह बम गिरा रहे हैं। इससे ट्रम्प की शांति कायम करने की कोशिशें कमजोर हो रही हैं।' इजराइल ने सीरिया के ड्रूज (शिया) बहुल शहर स्वेदा में सीरियाई सेना के टैंकों पर हमला किया था, क्योंकि वहां स्थानीय सरकार पर नागरिकों की हत्या के आरोप लगे थे। इसके बाद इजराइल ने बुधवार को

राजधानी दमिश्क पर भी हमला किया और कई इमारतों को निशाना बनाया।

अमेरिका, गाजा के चर्च पर हमले से भी नाराज : इससे पहले गाजा में इजराइली टैंक की बमबारी में एकमात्र कैथोलिक चर्च पर हमला हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। इजराइली सेना ने इसे गलती बताया, लेकिन अमेरिकी प्रशासन में इससे गुस्सा फैल गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, हर दिन कुछ नया हो रहा है। ये सब क्या बकवास है? रिपोर्ट में कहा गया है कि सीरिया पर इजराइली हमला ट्रम्प प्रशासन के लिए पूरी तरह 'चौंकाने वाला' था। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि गाजा के चर्च पर हुए हमले के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू को फोन कर जवाब मांगा। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस चर्च हमले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया,लेकिन उन्होंने नेतन्याहू को फोन किया और नाराजगी जताई।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को इस हमले पर माफी मांगनी चाहिए, जिसके बाद नेतन्याहू ने एक बयान जारी किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि इस घटना पर ट्रम्प खुश नहीं हैं। सीरिया पर हमला व्हाइट हाउस के लिए इसलिए भी समस्या बन गया क्योंकि ट्रम्प उस देश में शांति लाना चाहते हैं और वहां पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका की बड़ी भूमिका की घोषणा भी कर चुके हैं।

नेपाल में बाढ़ से क्षतिग्रस्त ढांचे को फिर से बनाएगा चीन

काठमांडू,21 जुलाई 2025। चीन ने सोमवार को नेपाल के रसुवा जिले में हाल ही में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए ढांचों के पुनर्निर्माण और सीमा शुल्क (कस्टम) संचालन को फिर से शुरू करने के लिए सहायता देने का वादा किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेपाल और चीन को जोड़ने वाला नेपाल-चीन दोस्ती पुल, कई जलविद्युत प रियोजनाएं और एक ड्राई पोर्ट आठ जुलाई 2025 को आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि नेपाल के वित्त मंत्री बिष्णु पौडेल और चीन की अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (सीआईडीसीए) के अध्यक्ष चेन शियाओडोंग के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक में यह आश्वासन मिला। यह बैठक वित्त मंत्रालय में हुई। बैठक में नेपाल और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विकास सहयोग और चीन द्वारा वित्तपोषित मौजूदा और भविष्य की परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई।

उप-प्रधानमंत्री पौडेल ने कहा कि नेपाल के लिए आपदा के बाद पुनर्निर्माण प्राथमिकता है। उन्होंने प्रभावित ढांचों के पुनर्निर्माण में मदद देने की प्रतिबद्धता के लिए चीन को धन्यवाद दिया। इस बैठक के दौरान नेपाल और चीन के बीच चार परियोजनाओं को लेकर समझौतों पर भी हस्ताक्षर हुए। इनमें बीपी कोईराला स्मारक कैंसर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट केंद्र बनाने और नागरिक अस्पताल को विस्तार देना भी शामिल है। वित्त सचिव घनश्याम उपाध्याय और सीआईडीसीए अध्यक्ष चेन ने अपने-अपने देशों की ओर से इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता मानव संसाधन विकास को लेकर भी हुआ है, जिसके तहत 1,200 से ज्यादा नेपाली सरकारी कर्मचारी चीन में आयोजित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संगोष्ठियों में भाग ले सकेंगे।

सावन के दूसरे सोमवार तपेश्वर धाम पहुंचे कृषि मंत्री

- जलाभिषेक कर की सुख समृद्धि की कामना, श्रद्धालुओं के लिए कराया भंडारा
- स्थानीय लोक संस्कृति है छतीसगढ़ की आत्माः-मंत्री श्री नेताम

बलरामपुर,21 जुलाई 2025(घटती-घटना)। सावन माह के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कृषि, अनुसूचित जाति,जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर जिले के प्रमुख धार्मिक और प्राकृतिक आस्था-स्थल, तातापानी स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों के लिए सुख,शांति और समृद्धि की मंगल कामना की।इस अवसर पर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने तपेश्वर महादेव की यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं ,शिवभक्त कावंड़ यात्रियों के लिए विशेष भंडारे का आयोजन कराया। उन्होंने स्वयं प्रसाद वितरण करते हुए श्रद्धालुओं के साथ आत्मीय संवाद किया, उनकी यात्रा के अनुभव जाने और उनकी आस्था को नमन किया।

पुलिस ने की मादक पदार्थ तस्करों पर बड़ी कार्यवाही

अंतर्राष्ट्रीय तस्कर हुए गिरफ्तार

-संवाददाता-
वाड्रफ नगर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चौकी वाड्रफनगर थाना बसंतपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 92 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया। पकड़े गए गांजे की बाजार में अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने इस कार्रवाई में चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायायिक रिमांड पर भेजा।सभी आरोपी उड़ीसा राज्य के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर के दिशा-निर्देशन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी एवं एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव के नेतृत्व में पुलिस द्वारा यूपी-सीजी सीमा क्षेत्र में लगातार

पेट्रोलिंग एवं निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 20 जुलाई 2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि चार तस्कर अम्बिकापुर से बनारस (उत्तर प्रदेश) जाने वाली महिन्द्रा बस (यूपी17एटी 3835) में गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चौकी वाड्रफनगर पुलिस ने थाना बसंतपुर प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सोनी के नेतृत्व में टीम गठित की। टीम ने देर रात बस को वाड्रफनगर चौकी के सामने रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान चार संदिग्ध व्यक्तियों के पास रखे झोले और बैग से कुल 92 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसे छोटे-छोटे पैकेटों में छिपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस के द्वारा आरोपी 1. राज मुण्डा पिता रवि मुण्डा (23 वर्ष) निवासी ग्राम वार्ड नंबर 17 महेशडीह थाना टाऊन सुन्दरगढ़ जिला सुन्दरगढ़ उडीसा 2. सोनू बरूवा पिता मदन बरूवा(25 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 16 टेंगीबाड़ी मेशहडीह टाऊन सुन्दरगढ़ जिला सुन्दरगढ़ उड़ीसा 3. विक्रम भेंगरा पिता लिनियुस भेंगरा (23 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 16 लूराडीपा थाना टाऊन सुन्दरगढ़ जिला सुन्दरगढ़ उडीसा 4. विजय सेर्देरिया पिता संजय सेर्देरिया (23 वर्ष) निवासी परगति नवापड़ा थाना टाऊन सुन्दरगढ़ जिला सुन्दरढ़ उडीसा के खिलाफ धारा 20 (बी)(॥) (सी) एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा रहा है।

फूंदुरडिहारी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन

नवप्रवेशी बालिकाओं का तिलक कर किया स्वागत,वितरित की गई शिक्षण सामग्री

-संवाददाता-
अंबिकापुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिला के प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला फूंदुरडिहारी में आज बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन शक्ति योजना से जिला समन्वयक सुश्री नूतन सिन्हा एवं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ नेहा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। स्कूल में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं एवं बालकों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नवप्रवेशी छात्राओं को स्कूल यूनिफॉर्म,किताबें,पेन,कॉपी और पेंसिल वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे दू नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना,चाइल्ड लाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं बाल विवाह रोकथाम के संबंध में भी जानकारी दी गई। साथ ही, आज के इस दौर में मोबाइल के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरों एवं सतर्कता पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में शा. पूर्व मा. शाला की प्रधान पाठक श्रीमती इंदु श्रीवास्तव, सहायक शिक्षक श्री अनूप गुप्ता,श्री व्यास नारायण केसरिया, श्रीमती अन्ना खाखा, डॉ. सुष्मिता मुखर्जी एवं प्रियंका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहीं।

दैनिक घटती-घटना की खबर पर जिला प्रशासन कोरिया ने लिया संज्ञान

महाविद्यालय प्राचार्य से तीन दिवस के भीतर मांगा जवाब

मामला सेवानिवृत्त प्राचार्य के द्वारा सेवानिवृत्ति उपरांत महाविद्यालय के दस्तावेजों को जलाने से जुड़ा हुआ...

सेवानिवृत्त प्राचार्य के द्वारा सेवानिवृत्ति उपरांत कई महीनों बाद महाविद्यालय पहुंचकर जलाये गए थे दस्तावेज

वर्तमान प्राचार्य के कार्यभार ग्रहण करने उपरांत जलाये थे दस्तावेज,कैसे मिली अलमारियों की चाबी,कैसे मिली सेवानिवृत्त प्राचार्य को दस्तावेज जलाने की अनुमति देना होगा वर्तमान प्राचार्य को जवाब

क्या शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव कॉलेज में कोई बड़ा भ्रष्टाचार हुआ ?

किस वजह से प्राचार्य के सेवानिवृत होते ही दस्तावेजों को जलाना पड़ा ?

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव कॉलेज का आखिर कौन सा दस्तावेज जला...क्या इसका पता चल पाएगा ?

पूर्व प्रभारी प्राचार्य अखिलेश गुप्ता पर भ्रष्टाचार और नियम विरोधी कृत्य का आरोप

लंबे समय से प्राचार्य रहे अखिलेश गुप्ता क्या वाकई में कोई बड़ा भ्रष्टाचार करके बैठे हैं जिसकी जांच जरूरी है ?

क्या शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव कॉलेज में कोई बड़ा भ्रष्टाचार हुआ था जिस वजह से प्राचार्य के सेवानिवृत्त होते ही दस्तावेजों को जलाया गया ?

- शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव कॉलेज में दस्तावेज जलाने का मामला गरमाया...
- पूर्व प्रभारी प्राचार्य अखिलेश गुप्ता पर भ्रष्टाचार और नियम विरोधी कृत्य के आरोप...
- एक ही जगह पर लंबे समय से प्राचार्य रहे अखिलेश गुप्ता क्या वाकई में कोई बड़ा भ्रष्टाचार करके बैठे हैं जिसकी जांच में खुल सकते हैं कई राज?

-रवि सिंह-
कोरिया, 14 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

पहले से हैं भ्रष्टाचार के घेरे में...

पूर्व प्राचार्य पर पहले से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। उनके कार्यकाल में शासकीय पीजी महाविद्यालय बैकुंठपुर जहां 25 से 30 साल तक प्रभारी प्राचार्य के रूप में वे जमे रहे...में की गई खरीद फरोख्त तो है ही। इसके अलावा शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर, शासकीय नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में फर्नीचर एवं कार्यालयीन उपकरण,खेल सामग्री,पुस्तकें,आईसीटी उपकरण,लैब सामग्री आदि की खरीदी में भारी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। साथ ही यह भी कि खरीदी के साल भर बाद ही भारी मात्रा में इन सामग्रियों का अपलेखन (राइट ऑफ) भी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए इनके द्वारा किया गया है। जो कि गंभीर जांच का विषय है, कि इतनी मात्रा में इनके द्वारा हर कॉलेज में क्यों और क्या छुपाने के लिए किया गया। पता चला है कि इसी भ्रष्टाचार की लीपापोती के लिए इनके द्वारा अपनी पत्नी डॉ. प्रीति गुप्ता को शासकीय नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा का प्रभार दिलवाया गया। जिससे मामले को अपने हिसाब से सेट किया जा सके। इन मामलों में उच्च स्तरीय जांच की मांग लगातार की जा रही है।

पत्नी को बनाना चाहते थे प्रभारी प्राचार्य

मामले ने पकड़ा तूल,जांच की मांग

-रवि सिंह-
कोरिया, 21 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना की खबरें जन सरोकार से जुड़ी रहती हैं और वह निष्पक्ष एवं बेबाकी के साथ भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली होती हैं जिस कार्य में दैनिक घटती घटना की टीम किसी भय द्वेष की परवाह किए बगैर सूत्रों के द्वारा प्राप्त समाचारों को प्रकाशित करने की जिम्मेदारी निभाती है यह पुनः साबित हुआ और इस बार दैनिक घटती-घटना की खबर से कोरिया जिले का जिला प्रशासन सजग होता नजर आया है और एक खबर के आधार पर शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुंठपुर के वर्तमान प्राचार्य को पत्र जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब मांगा है। बता दें कि दैनिक घटती-घटना ने एक खबर का प्रकाशन किया था जिसमें यह तथ्य तस्वीरों के साथ प्रकाशित किया गया था कि शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं के द्वारा सेवा निवृत्त होने के कई महीने बाद महाविद्यालय पहुंचकर महाविद्यालय परिसर में ही कुछ दस्तावेजों को जलवाया गया है और जिसकी तस्वीर भी सामने आई है।

बता दें कि सेवानिवृत्त प्राचार्य की जगह नए प्राचार्य को कार्यभार प्राप्त होने उपरांत यह मामला प्रकाश में आया और जिससे यह प्रश्न खड़ा हुआ कि क्या वर्तमान प्राचार्य के द्वारा ऐसा करने की अनुमति दी गई पूर्व सेवानिवृत्त प्राचार्य को या फिर सेवानिवृत्त प्राचार्य ने जबरन ऐसा किया और जिसका विरोध नए प्राचार्य नहीं कर पाए। कोरिया जिले का अग्रणी महाविद्यालय शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैकुंठपुर विवादों में है। कारण कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्राचार्य अखिलेश गुप्ता द्वारा किया जाने वाला मनमाना आचरण एवं कालेज प्रशासन में अनावश्यक हस्तक्षेप। जो कि 31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। भ्रष्टाचार के अनेक कार्यों को अंजाम देने के बाद इस क्रम में उनके द्वारा बिना किसी अनुशंसा के एवं सेवानिवृत्त होने के इतने दिन बाद 12 जुलाई 2025 को महाविद्यालय परिसर में तमाम गोपनीय दस्तावेजों को जलाकर नष्ट कर दिया गया। अपने सेवानिवृत्त होने के 5 से 6 महीने बाद भी उनके द्वारा समस्त दस्तावेज महाविद्यालय को नहीं सौंपा गया है, जिसके चलते उनके द्वारा दस्तावेज जलाने जैसा गंभीर दुष्कृत्य किया गया। यह गंभीर एवं उच्च स्तरीय जांच का विषय है। 12 जुलाई को श्री गुप्ता अचानक कॉलेज पहुंचे और वह कमरा खोला,जिसे उन्होंने सेवानिवृत्ति के समय से बंद कर रखा था। इसके बाद उन्होंने उस कक्ष में रखे अनेक शासकीय दस्तावेजों को जलाकर नष्ट कर दिया । बहुत सारे दस्तावेजों को इनके द्वारा घर पर भी ले जाकर नष्ट किया गया है। सूत्रों की मानें तो किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को शासकीय दस्तावेजों को नष्ट करने का अधिकार नहीं होता है, दस्तावेजों को नष्ट करने की एक विधिवत प्रक्रिया होती है,जिसके तहत शासन की अनुमति,समिति की संस्तुति और रिकॉर्ड बनाए जाते हैं। ऐसे में श्री गुप्ता द्वारा बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के दस्तावेजों को जलाया जाना, गंभीर सवाल खड़े करता है।

25 से 30 साल का कार्यकाल क्या भ्रष्टाचार से भरा रहा ?

पूर्व प्राचार्य पर पहले से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। उनके कार्यकाल में शासकीय पीजी महाविद्यालय बैकुंठपुर जहां 25 से 30 साल तक प्रभारी प्राचार्य के रूप में वे जमे रहे, और मामने सामान की खरीद फ़रोख्त होती रही है। इसके अलावा शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर, शासकीय नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में फर्नीचर एवं कार्यालयीन उपकरण,खेल सामग्री,पुस्तकें,आईसीटी उपकरण,लैब सामग्री आदि की खरीदी में भारी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। साथ ही यह भी कि खरीदी के साल भर बाद ही भारी मात्रा में इन सामग्रियों का अपलेखन (राइट ऑफ) भी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए इनके द्वारा किया गया है। जो कि गंभीर जांच का विषय है, कि इतनी मात्रा में इनके द्वारा हर कॉलेज में क्यों और क्या छुपाने के लिए किया गया। पता चला है कि इसी भ्रष्टाचार की लीपापोती के लिए इनके द्वारा अपनी पत्नी डॉ. प्रीति गुप्ता को शासकीय नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा का प्रभार दिलवाया गया। जिससे मामले को अपने हिसाब से सेट किया जा सके। इन मामलों में उच्च स्तरीय जांच की मांग लगातार की जा रही है।

उच्च शिक्षा के नाम पर भी हुआ बड़ा भ्रष्टाचार ?

क्या उच्च शिक्षा के नाम पर भी बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है,बैकुंठपुर के शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय की बात की जाए तो यहां के सेवानिवृत्त प्राचार्य द्वारा जिस तरह सेवा निवृत्त होने के बाद वह भी कई महीने बाद जिस तरह महाविद्यालय पहुंचकर दस्तावेजों को जलाया गया उससे साबित हो हो गया कि भ्रष्टाचार को छिपाने ही ऐसा किया गया। वैसे उच्च शिक्षा संस्थानों से भ्रष्टाचार की खबरें कभी सामने नहीं आती थीं और इन संस्थानों को काफी अच्छा माना जाता था नियम अनुसार इनके संचालन की एक साथ थी जो धूमिल हुई बैकुंठपुर की घटना के बाद। उच्च शिक्षा संस्थानों में भ्रष्टाचार का यह मामला निश्चित ही जांच का विषय होना चाहिए यदि दस्तावेजों को भ्रष्टाचार को छिपाने जलाया गया है।

निजी कॉलेजों में भ्रष्टाचार नहीं सुनने को मिलता, शासकीय कॉलेज में भ्रष्टाचार करने के लिए बड़े पद की आवश्यकता ?

निजी कॉलेज हमेशा से अपनी साख बरकरार रखते चले आए हैं और उनके मामले में भ्रष्टाचार सुनने को नहीं मिलता है वहीं शासकीय कॉलेज मामले में बैकुंठपुर कॉलेज में जिस तरह पूर्व प्राचार्य के द्वारा दस्तावेज जलाए गए वह काफी बड़ी घटना मानी जा रही बड़ा भ्रष्टाचार छिपाने का प्रयास माना जा रहा है। वैसे क्या शासकीय कॉलेज में भ्रष्टाचार करने के लिए बड़े पद की आवश्यकता होती है,क्या बड़े पद के साथ भ्रष्टाचार करना आसान होता है, जिस तरह बैकुंठपुर के महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य ने तब दस्तावेज जलाए जब प्राचार्य कोई और बन चुका था और वह सेवानिवृत्त हो चुके थे यह मामला यह आशंका जाहिर करता है कि कहीं न कहीं पूर्व प्राचार्य ने वर्तमान प्राचार्य से किसी सहमति के आधार पर दस्तावेजों की मांग की और उसके जलाए जाने की भी सहमति प्राप्त की।

प्रयोग शाला के सामान खरीदी में भी बड़े भ्रष्टाचार का अनुमान

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुंठपुर में प्रयोगशाला के सामानों की खरीदी में भी भ्रष्टाचार हुआ है ऐसी बातें बताई जा रही हैं और इसलिए दस्तावेज जलाए गए हैं,बताया जा रहा है कि महाविद्यालय के लिए प्रयोगशाला की जो सामग्री खरीदी गई है उसमें खरीदी की जगह कई बार ऐसे ही बिल भुगतान कर दिया गया है,बताया जा रहा है कि कुछ सामानों की मरम्मत की गई और उसकी खरीदी बताई गई कुछ मामलों में केवल बिल प्रस्तुत कर भुगतान प्राप्त किया गया। कुल मिलाकर प्रयोगशाला के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है,प्रयोगशाला के लिए सामग्रियां कई बार केवल कागजों में ही खरीदे जाने की बात बताई जा रही है।

सेवानिवृत होने के बाद कॉलेज जाकर दस्तावेजों को जलाना ही भ्रष्टाचार को साबित करता है ?

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुंठपुर के सेवानिवृत्त प्राचार्य ने सेवानिवृत्त होने के कुछ महीने बाद महाविद्यालय जाकर वहां से दस्तावेज निकलवाकर जलवा दिया,यह मामला ही उनके भ्रष्टाचार को साबित करने काफी है,जब वह सेवानिवृत्त हो चुके थे और कई महीने बीत चुके थे तब जाकर दस्तावेज जलाना यह स्पष्ट रूप से साबित करता है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के सभी भ्रष्टाचार को छिपाने यह काम किया।वैसे भी सेवानिवृत्त प्राचार्य को लेकर माना जाता है कि वह बैकुंठपुर महाविद्यालय को एक तरह से अपनी जागीर बना बैठे थे समझ बैठे थे और पूरे कार्यकाल में उनके लिए कोई एवजीदार खड़ा नहीं हो सका और उनकी मनमानी जारी रही वहीं जब वह सेवा निवृत हुए उन्हें अपने कार्यकाल के भ्रष्टाचार कई महीनों बाद याद आए और उन्होंने इसीलिए दस्तावेजों को आग के हवाले किया। पूर्व प्राचार्य के पूरे कार्यकाल की जांच होने पर बड़े भ्रष्टाचार के मामले का खुलासा होगा यह दावा सूत्र भी कर रहे हैं।

वर्तमान प्राचार्य ने क्यों दी दस्तावेज जलाने की सहमति यह भी है बड़ा सवाल ?

पूर्व प्राचार्य ने महाविद्यालय के दस्तावेज जलाए और किसी ने रोका नहीं जबकि वह सेवानिवृत्त हो चुके और नए प्राचार्य ने पदभार ग्रहण भी कर लिया।ऐसा होना सम्भव नहीं माना जा सकता है,इस मामले में वर्तमान प्राचार्य की बिना सहमति कोई ऐसे ही महाविद्यालय जाकर वहां से दस्तावेज प्राप्त कर उसे आग के हवाले नहीं कर सकता,वर्तमान प्राचार्य और पूर्व प्राचार्य काफी समय से एक साथ काम करते चले आ रहे हैं और माना जा रहा है कि इसलिए वर्तमान प्राचार्य ने पूर्व प्राचार्य को कहीं न कहीं दस्तावेजों को सौंपा और तब जाकर पूर्व ने उसे आग के हवाले किया।

यातायात पुलिस और नगर निगम ने कोरबा मुख्य मार्ग पर वाहनो एवं दुकानों की होर्डिंग पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,21 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में यातायात डीएसपी डीके सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस और नगर निगम ने कोरबा मुख्य मार्ग से इतवारी बाजार मार्ग पर अनाउंसमेंट करके चार पहिया/दुपहिया वाहनों और दुकानों की होर्डिंग पर कार्रवाई की। यातायात एएसआई मनोज राठौर ने बताया कि यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी अभियान जारी रहेगा। निगम टीम ने पूर्व के निर्देशों का पालन नहीं करने वाले कई दुकानों पर चालानी कार्यवाही करने की बात कही।

ट्रैफिक डीएसपी डीके सिंह ने बताया कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मिलकर शहर के भीतर यातायात पुलिस को नगर निगम के साथ मिलकर व्यवस्था बनाने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि अवैध पार्किंग और होर्डिंग करने वाले व्यवसायियों पर भी कार्रवाई होगी और यातायात पुलिस और नगर निगम की टीम आगे भी शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई जारी रखेगी। कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी गोयल, अविनाश शुक्ला, ट्रैफिक निरीक्षक तेज सिंह यादव प्रधान आरक्षक संतोष सिंह, दिलचंद खूंटे,अरुण और लीलाधर की अहम भूमिका रही।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर सेजेस संविदा शिक्षक व कर्मियों का समर्थन

-संवाददाता-
कोरिया,21 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में कार्यरत संविदा शिक्षकों और कर्मचारियों ने गत रविवार 20 जुलाई को 28 जिलों में एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया उक्त प्रदर्शन छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक व कर्मचारी संघ के बैनर तले हुआ।

आपको बता दें प्रदर्शनकारी संविदा शिक्षकों सहित कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इसी तारतम्यता में कोरिया जिले के शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोपाल दत्त उर्मलिया ने कहा कि कोरिया जिले के सभी सेजेस प्रदेश स्तरीय आह्वाहन का समर्थन करता है साथ ही हमें शासन से पूरी उम्मीद है कि शासन हमारे हित में कार्य करेगी और हमारे दो सूत्रीय मांगों को पूरा करेगी। विभिन्न जिलों में धरना संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के मार्गदर्शन में हुआ। दो प्रमुख मांग नियमित वेतन वृद्धि और वेतनमान निर्धारण की है। शिक्षकों ने कहा वे कई वर्षों से पूर्णकालिक सेवा दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें वेतनमान

नहीं मिला। न ही कोई वार्षिक वेतनवृद्धि तय की गई है। दूसरी मांग शिक्षा विभाग में समावेशन और नियमितीकरण की है। संघ ने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री और वर्तमान सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी इस मांग को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं। संघ ने मांग की कि सभी संविदा शिक्षकों और कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में समाहित कर नियमित किया जाए। इससे उन्हें सेवा सुरक्षा मिलेगी और वे बिना भय के शिक्षा गुणवत्ता में योगदान दे सकेंगे।

प्रदेशभर में 14 हजार संविदा शिक्षक हैंङ्क प्रदेश के आत्मानंद स्कूलों में लगभग 13 से 14 हजार संविदा शिक्षक कार्यरत हैं। जबकि इनकी तुलना में नियमित कर्मचारियों को हर पद पर 10 से 15 हजार रुपए अधिक वेतन मिलता है।

वर्ष 2020 से स्कूलों में दे रहे हैं अपनी सेवाएं...संविदा शिक्षक व कर्मचारी 2020 से ही स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में कई जिलों के स्कूलों में मानदेय समय पर नहीं मिल पाता। इससे आर्थिक रूप से समस्या होती है। शिक्षकों व कर्मचारियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य संपादित किए हैं। स्कूलों को राज्य के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों को पूरा करेगी।

पुत्र मोह में भूपेश ने पूरी कांग्रेस को झोंका:श्याम बिहारी

भूपेश के बेटे कांग्रेस के कौन से पद पर है जो कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है | **भ्रष्टाचारियों को बचाने प्रदेश की जनता को परेशान किया जा रहा है इसे कहते है चोरी ऊपर से सीनाजोरी** | **भाजपा ने पत्रकार वार्ता में किया कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश** | **जारी किए,कोयला आबंटन और पेड़ों की कटाई के भूपेश बघेल सरकार के कई दस्तावेज** | **भूपेश बघेल झूठ की फैक्ट्री, कोयला आबंटन के लिए कई पत्र लिखे और परमिशन दिलवाई**

-रवि सिंह-

एमसीबी/चिरमिरी,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने आज चिरमिरी स्थित श्यामली गेस्ट हॉउस मे आहूत संवाददाता सम्मेलन/प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस बताएं कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल कांग्रेस के किस पद पर है,जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं उसे व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है इसका साफ मतलब है कि भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है। श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि हमने पहले भी बड़े-बड़े ऐसे उदाहरण देखें हैं जिसमें लोगों ने पुत्र मोह में खुद को भी बर्बाद किया और अपने पूरे साम्राज्य को भी बर्बाद किया है और भूपेश बघेल इस दिशा में काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो की प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी।

श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तब

राजस्थान के तत्कालीन मंत्री बी डी कल्ला ने भूपेश बघेल को पत्र लिखा और राजस्थान के तत्कालिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक सप्ताह के भीतर कई पत्र लिखे कोल ब्लॉक आंबटन के लिए। जिसे छत्तीसगढ़ और देश की जनता ने देखा है। भारतीय जनता पार्टी एमसीबी के इस पत्रकार वार्ता में नगर पालिक निगम के महापौर राम नरेश राय,सभापति संतोष सिंह, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर,जिला उपाध्यक्ष जमुना पांडे, मीडिया प्रभारी संजय गुप्ता,चिरमिरी मंडल मीडिया प्रभारी राजेश उपाध्याय सहित राजू नायक,रीत जैन,बबलू शर्मा,अजय सिंह,विजय सिंह, दुर्गा प्रसाद सोनी,चोलू सेठिया,आशीष अग्रवाल मौजूद रहे।

कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दाफाश

कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था। उन्होने कहा कि शराब घोटाला, कोयला घोटाला, चावल घोटाला,गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक-एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है,यह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है।

क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे ?

श्री जायसवाल ने आगे कहा कि जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेल जी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेश जी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं,तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? पत्रकार वार्ता के आगे की कड़ी में श्री जायसवाल ने कहा कि यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक, अशोक गहलोत को आवंटित किया था,बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 के दौरान केन्द्र में कॉंग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था।

भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था

श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि 23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेलजी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी। और कहा कि 31 मार्च 2021 को ओपन कास्ट गारे पेलमा सेक्टर-2, मांड-रायगढ़ कोलफील्ड के लिए हुआ समझौता भी सबके सामने है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2022 को भूपेश बघेल जी के मुख्यमंत्री रहते ही कांग्रेस सरकार द्वारा वन स्वीकृति स्टेज-1 और 23 जनवरी 2023 को वन स्वीकृति स्टेज-2 के लिए सिफारिश भेजी गई, उन्होंने आगे कहा कि महाजेंको कोल फील्ड की स्वीकृति में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संलिप्तता को लेकर तब अनेक अखबारों ने समाचार भी प्रकाशित किए थे। 25 मार्च 2022 को भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था।

भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया कि...

सवाल: क्या वह मनमोहन सिंह सरकार के समय हुए निर्णयों के लिए आज माफ़ी मांगेंगे ?

सवाल: क्या भूपेश बघेल यह घोषणा करेंगे कि अब कांग्रेस कभी बिजली का उपयोग नहीं करेगी

सवाल: क्योंकि स्वयं यह कह चुके हैं कि विरोध करने वाले अपने घर की बिजली बंद कर दें

सवाल: क्या कांग्रेस हर अपराधी के पक्ष में ऐसे ही खड़ी होगी, जैसे आज पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के लिए हुई है ?

एंटी करप्शन ब्यूरो ने सूरजपुर तहसील कार्यालय में एक बड़ी कार्रवाई को दिया अंजाम

25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी जुगेश्वर राजवाड़े रंगे हाथों गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। एंटी करप्शन ब्यूरो ने सूरजपुर तहसील कार्यालय में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी जुगेश्वर राजवाड़े को 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है,,यह कार्रवाई सोमवार को ACB की सात सदस्यीय टीम द्वारा की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला किसान धनेश्वर पैकरा से जुड़ा है, जिसने अप्रैल माह में अपने मृत बेटे के नाम की ज़मीन को खुद के नाम पर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया था,, आरोप है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के एवज में तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू जुगेश्वर राजवाड़े द्वारा एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी,,काफी बातचीत के बाद सौदा 25,000 रुपये में तय हुआ,, किसान ने इस रिश्वतखोरी की शिकायत ACB से की, जिसके बाद ब्यूरो ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय में ड्यूटी के दौरान ही आरोपी को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

आरोपी– जोगेश्वर राजवाड़े

गौरतलब है कि आरोपी बाबू का पिछले महीने एसडीएम कार्यालय सूरजपुर में तबादला हुआ था, लेकिन उसने वहां कार्यभार ग्रहण नहीं किया और अब भी तहसील कार्यालय में ही अटैच रहकर काम कर रहा था। फिलहाल एसीबी ने आरोपी से पूछताछ कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया,जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है,, इस कार्रवाई के बाद तहसील कार्यालय और राजस्व विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है,, यह मामला साबित करता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आमजन की जागरूकता और सतर्कता ही सबसे बड़ा हथियार है।

फर्जी शिकायत की कलई खुली: समिति प्रबंधक को जांच में मिली क्लीन चिट

शिकायतकर्ताओं ने खुद मानी गलती,ग्रामीणों ने बताया प्रबंधक व्यवहार कुशल और ईमानदार

-संवाददाता-

प्रतापपुर,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चंदौरा के प्रबंधक विजय कुमार के विरुद्ध बीते दिनों लगाए गए दुर्व्यवहार एवं अवैध वसूली के आरोप अब स्वयं शिकायतकर्ताओं के बयान से फर्जी साबित हो चुके हैं। इस प्रकरण में हुई प्रशासनिक जांच ने सभी आरोपों को सिरे से नकारते हुए समिति प्रबंधक को निर्दोष पाया है। ज्ञात हो कि ग्राम चंदौरा निवासी मुकेश जायसवाल तथा कुछ अन्य किसानों द्वारा समिति प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें गाली-गलौज और अवैध राशि मांगने की बात कही गई थी। मामला प्रकाश में आते ही तहसील प्रशासन द्वारा जांच कराई गई।

ग्रामीणों ने किया समर्थन

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा की गई जांच के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने समिति में उपस्थित होकर अपने बयान दिए। सभी ने बताया कि वे विगत 5 वर्षों से समिति से खाद, बीज, नगद ऋण एवं धान विक्रय की सेवाएं ले रहे हैं और प्रबंधक विजय कुमार का व्यवहार सदैव अनुशासित एवं सहयोगात्मक रहा है। किसी भी प्रकार की अभद्रता या अवैध मांग का अनुभव नहीं हुआ है।

समिति प्रबंधक ने जताई पीड़ा

प्रबंधक विजय कुमार ने कहा, फर्जी आरोपों से मानसिक आघात जरूर पहुंचा, पर संतोष है कि प्रशासनिक जांच ने सच्चाई सामने ला दी। मैं वर्षों से निष्ठा से कार्य कर रहा हूँ और भविष्य में भी किसानों की सेवा करता रहूँगा। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट हो गया है कि शिकायत पूर्व नियोजित थी और समिति प्रबंधक को जानबूझकर व्यक्तिगत रंजिश के चलते बदनाम करने का प्रयास किया गया। प्रशासन द्वारा समय पर की गई निष्पक्ष जांच और ग्रामीणों की स्पष्ट गवाही से सच्चाई सामने आ सकी, जिससे एक ईमानदार कर्मचारी की छवि बची रही।

नियम पालन पर भड़का था शिकायतकर्ता

प्रबंधक विजय कुमार ने स्पष्ट किया कि आरोप लगाने वाले मुकेश जायसवाल ने अन्य किसानों ङ्क सूर्यवंश एवं पंचन ङ्क के के.सी.सी. चेक की मांग की थी, लेकिन नियमानुसार किसान की उपस्थिति, ऋण चिह्न अदायगी और आवेदन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करने की बात कहने पर ही वह नाराज़ हो गया। उन्होंने बताया कि उसी रंजिश के चलते उन्हें झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई।

शिकायतकर्ता सरपंच ने खुद स्वीकार की सच्चाई

शिकायत में हस्ताक्षरकर्ता ग्राम पकनी के सरपंच मंगल सिंह पिता रनसाय ने स्वयं लिखित वक्तव्य में बताया कि उन्होंने शिकायत पत्र पर मुकेश जायसवाल के कहने पर भूलवश हस्ताक्षर कर दिए थे, जबकि उनके स्वयं के साथ समिति प्रबंधक ने कभी कोई दुर्व्यवहार या वसूली नहीं की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब वे उस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं चाहते।

सड़कों पर अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था चरमराई

निगम द्वारा फुटपाथ के सौंदर्यकरण पर किए गए करोड़ों के खर्च पर कब्जाधारियों ने लगाया सेंध

-संवाददाता-

कोरबा,21 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कोरबा शहर में सड़कों की चौड़ाई कम होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण सड़क किनारे ही अतिक्रमण होना है। इसका प्रभाव यातायात पर पड़ रहा है। अंचल के सीतामढ़ी क्षेत्र में प्रवेश द्वार के साथ ही गार्डन का भी निर्माण हुआ है। इसके आसपास लोगों ने खाली जमीन पर मकान बनाना शुरू कर दिया है। इसके आगे सड़क पर ही दुकानें लग रही है। रेलवे स्टेशन मार्ग पर तो कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। बड़े वाहन आ जाए तो साइड देने जगह ही नहीं बचती। पुराना बस स्टैंड के आसपास तो लोग ने तंबू तान लेते हैं। जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं की कोरबा नगर निगम क्षेत्र के सड़क किनारे बने फुटपाथ पर 800 से अधिक लोगों का बेजा कब्जा है। प्रतिदिन

हर रोड पर नए ठेले और गुमटी नजर आते हैं। सड़क किनारे बनी नालियों के ऊपर चबूतरे बन गए हैं। इसकी वजह से बारिश होने पर नाली का गंदा पानी सड़कों पर बहता है। इसके लिए निगम ही नहीं लोग भी जिम्मेदार हैं। अब अतिक्रमण हटाने नोटिस के बाद बवाल मचा हुआ है। करोड़ों खर्च कर कराए गए सौंदर्यीकरण अतिक्रमण से नहीं बच पा रहा है। शहर की मुख्य मार्ग के साथ कॉलोनी व बस्तियों में लोग सड़क पर ही बिल्डिंग मटेरियल डाल देते हैं। यही नहीं मलबा भी फेंक देते हैं। निगम ने इस पर भी कार्यवाही शुरू की है। व्यवसायी व अस्पताल पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की गयी। एक हार्डवेयर के गोदाम को सील कर दिया गया है। पुराना बस स्टैंड में गीतांजलि भवन का निर्माण वर्ष 1983 में कराया गया है। नीचे में दुकानें और ऊपर में हाल है, जहां कई कार्यक्रम होते हैं। इसके साथ ही कार्यालय भवन भी संचालित हैं, लेकिन नीचे के दुकान संचालकों ने स्ट्रक्चर में ही छेड़छाड़ कर दी हैं। 42 साल पुराने दुकानों में बदलाव के लिए अनुमति भी नहीं ली गयी हैं। 3 से 4 दुकानों को एक करने दीवारों को तोड़ दिया गया है, इसकी वजह से भवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। सामने और पीछे में भी लोगों का अतिक्रमण है। निगम ने व्यवसायियों को नोटिस जारी किया है। इससे जनप्रतिनिधि भी सामने आ गए हैं। घंटाघर चौक के किनारे फुटपाथ पर तो बेजा-कब्जा कर लोगों ने नर्सरी बना दी है। यही नहीं, डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थल को भी लोग नहीं छोड़ रहे हैं। लाइन से यहां पर मोबाइल की एसेसरीज की दूकान लग रही हैं। निगम ने यहां पर नो पार्किंग का बोर्ड तो लगाया है, पर अतिक्रमण नहीं हटा सका । फल की दुकानें भी निहारिका क्षेत्र में लाइन से लग रही है। बुधवारी बाजार में यातायात का दबाव कम करने हेतु एक करोड़ से अधिक खर्च हो चुके हैं। पार्किंग से बाजार तक के लिए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण 70 लाख रुपए से कराया गया । फुटपाथ को ग्रिल से घेरा गया। इसके बाद भी सड़क पर ही दुकानें लग रही है। महाराणा प्रताप चौक पर सड़क किनारे लाइन से कपड़ा बाजार शुरू हो गया है। नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने कहा के शासन के निर्देशानुसार नियमों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिजो बाई स्व0 मांझी राम निवासी जगदीशपुर थाना अम्बिकापर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के पिता स्व0 रामपुर आ0 स्व0 माया राम की दिनांक 27/08/2012 को स्थान रामपुर में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागिय अधिकरी (रा.) /सक्षम प्राधिकरी,सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम - तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मालती भगत पति सचिन तिग्गा जाति-उरावं निवासी ग्राम केतका, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम तिलसिवां, प.ह. नं. 07. रा.नि.मं. बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 211/7 रकबा 0.04 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30-072025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 16.07-2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागिय अधिकरी (रा.) /सक्षम प्राधिकरी,सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतदद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-कल्याणपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अनिता जायसवाल पति श्री गिरजा प्रसाद जायसवाल जाति कलार,निवासी ग्राम कल्याणपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम कल्याणपुर, प0ह0नं0 16 रा0नि0मं0 लटोरी तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1619/8,1619/9 रकबा क्रमशः 0.03,0.02 हे0 कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 25/07/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/07/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागिय अधिकरी (रा.) /सक्षम प्राधिकरी,सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतदद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-कल्याणपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक गिरजा प्रसाद जायसवाल आ0 स्व0 रामकरण जायसवाल, जाति कलार,निवासी ग्राम कल्याणपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम कल्याणपुर, प0ह0नं0 16 रा0नि0मं0 लटोरी तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1619/3,1619/4, 1619/11 रकबा क्रमशः 0.05,0.05,0.10 हे0 कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 25/07/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/07/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

संक्षिप्त खेल की खबरें

तेज गेंदबाज कम्बोज भारतीय टीम में कवर खिलाड़ी के रूप में शामिल

लंदन,21 जुलाई 2025। युवा तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर इंग्लैंड में भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। ये दोनों खिलाड़ी 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले चोटों से जूझ रहे हैं। बर्मिंघम और लॉर्ड्स में दूसरे और तीसरे टेस्ट में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप कमर की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीच, बेकेनहैम में साईं सुदर्शन के एक शॉट को रोकने की कोशिश में नेट सत्र के दौरान अर्शदीप सिंह के गेंदबाजी हाथ में चोट लग गई। बाएँ हाथ के इस गेंदबाज़ को अपने बाएँ हाथ पर पट्टी बाँधनी पड़ी और उनके समय पर फिट होने की संभावना कम है।

लेवोन अरोनियन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम जीता

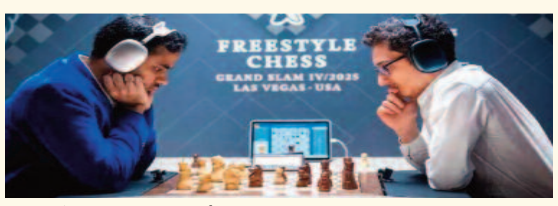

लास वेगास,21 जुलाई 2025। लेवोन अरोनियन ने व्यान लास वेगास में फाइनल में हंस नीमन को 1.5-0.5 से हराकर अपना पहला फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। विश्व नंबर 1 कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया और 160,000 अमेरिकी डॉलर की राशि अपने नाम की। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फैबियानो कारूआना को 2-0 से हराकर पाँचवाँ स्थान हासिल किया, जबकि प्रज्ञानंदा रमेशबाबू ने वेस्ली सो को 1.5-0.5 से हराकर सातवाँ स्थान हासिल किया। शुरुआती ड्रॉ के बाद दूसरे गेम में दबदबे के साथ जीत हासिल करके खिताब और 200,000 अमेरिकी डॉलर का पहला पुरस्कार अपने नाम किया। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, और निश्चित रूप से सबसे बड़ी जीत है जब आप पुरस्कार राशि को भी शामिल करते हैं। मैं इस अवसर के लिए बेहद खुश और आभारी हूँ, अरोनियन ने फ्रीस्टाइल शतरंज के हवाले से कहा।

मैनचेस्टर में खत्म होगा 35 साल का सूखा ?

मैनचेस्टर,21 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज जारी है। 3 मैचों का नतीजा आ चुका है और मेजबान इंग्लैंड सीरीज में 2-1 से आगे है। इंग्लैंड ने जहां हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच में जीत दर्ज की। वहीं, टीम इंडिया को एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जीत मिली। अब दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जाने वाले चौथे मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

मैनचेस्टर में जब टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी निगाहें जीत के साथ सीरीज में बराबरी हासिल करने पर लगी होंगी। अगर टीम इंडिया यहां इंग्लैंड को हराने में कामयाब हो जाती है, तो नया

इतिहास बन जाएगा। दरअसल, भारतीय टीम मैनचेस्टर में आज तक एक भी टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। ऐसे में गिल की युवा टीम के पास इतिहास रचने का मौका है।

35 साल से हो रहा शतक का इंतजार

यही नहीं, मैनचेस्टर में भारत की ओर से पिछले 35 साल से कोई भी बल्लेबाज टेस्ट शतक नहीं जड़ पाया है। आखिरी बार सचिन तेंदुलकर ने साल 1990 में यह कारनामा किया था। सचिन तेंदुलकर ने अगस्त 1990 में मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में शानदार 119 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने अपनी इस पारी में 17 चौके लगाए थे और 189 गेंदों का सामना किया था। तब से लेकर अब तक भारतीय बल्लेबाज यहां शतक नहीं जड़ सका है।

क्या इस बार होगा कमाल ?

आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत की ओर से आखिरी अर्धशतक भी यहां एमएस धोनी ने जड़ा था। उनके बल्ले से अगस्त 2014 में 71 रनों की पारी आई थी। लगभग 11 साल बीत चुके हैं और अब तक किसी भारतीय बल्लेबाज के बल्ले से मैनचेस्टर में अर्धशतक देखने को नहीं मिला है। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों की शानदार फॉर्म को देखते हुए इस बार इस सूखे के समाप्त होने की उम्मीद है।

टीम इंडिया के सामने मुश्किल चुनौती

मैनचेस्टर में भारतीय टीम के सामने करो या मरो की स्थिति है। अगर इंग्लैंड ये मैच भी जीत गया तो टीम इंडिया सीरीज से हाथ धो बैठेगी। वहीं,टीम इंडिया चौथा टेस्ट मैच अपने नाम करती है, तो फिर आखिरी और 5वां टेस्ट निर्णायक होगा। अब देखना दिलस्प होगा कि चौथे टेस्ट मैच का नतीजा किसके पक्ष में आता है।

एशिया कप को लेकर बड़ी असमंजस

क्या भारत आएगी पाकिस्तान की टीम ?

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जारी राजनीतिक तनाव का असर अब खेल के मैदान पर भी साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। हालिया घटनाक्रम में पाकिस्तान की हॉकी टीम ने आगामी एशिया कप 2025 में भाग लेने से इनकार करने के संकेत दिए हैं, जो कि अगले महीने भारत में आयोजित होना है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और एशियाई हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर सूचित किया है कि मौजूदा हालात में भारत में अपनी टीम को भेजना उनके लिए सुरक्षित नहीं है।

टेंशन में है पाकिस्तान की टीम

पीएचएफ अध्यक्ष तारिक बुगती ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारतीय सरजमीं पर खेलने को लेकर पाकिस्तान के खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना है। उन्होंने कहा कि हमने एफआईएच और एएचएफ को पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि मौजूदा राजनीतिक और सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए हमारी टीम भारत नहीं जाना चाहती। हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान के लिए हो सकती है मुश्किल

यह टूर्नामेंट सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आगामी हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट भी है। ऐसे में पाकिस्तान का इससे हटना न सिर्फ टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धा पर असर डालेगा बल्कि खुद उनकी टीम की वर्ल्ड कप में जगह को लेकर भी संकट खड़ा कर सकता है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी आईएच और एएचएफ पर है। उन्होंने कहा कि हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने इस विषय पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी पहले ही संकेत दे चुके हैं कि मौजूदा माहौल को देखते हुए पाकिस्तान की टीम भारत नहीं जाएगी।

भारत में 23 साल बाद होगा वर्ल्ड कप का आयोजन

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025। भारत में शतरंज प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। 23 सालों के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर देश को शतरंज वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी मिल गई है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच खेला जाएगा। आयोजन स्थल की आधिकारिक घोषणा जल्द की जाएगी। शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे ने 21 जुलाई को इस बात की पुष्टि की कि 2025 का वर्ल्ड कप भारत में आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जो वर्ल्ड कप खिताब के साथ-साथ 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए मुकाबला करेंगे।

स्टार खिलाड़ी होंगे आकर्षण का केंद्र

इस मेगा इवेंट में भारत के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश, वर्ल्ड कप 2023 के उपविजेता आर. प्रज्ञानानंद, दुनिया के टॉप-5 खिलाड़ियों में शुमार अर्जुन एरिगैसी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी इस टूर्नामेंट को भारतीय दर्शकों के लिए और भी रोमांचक बना देगी। फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने वर्ल्ड कप को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि हम भारत में वर्ल्ड कप 2025 के आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भारत वह देश है जहां शतरंज केवल खेल नहीं, बल्कि एक जुनून है।

रेस्ट का नहीं है कोई चांस,बुमराह को खेलना ही होगा अगला मुकाबला

नई दिल्ली,21 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी सीरीज का अब चौथा मुकाबला खेला जाएगा। अभी तक तीन मैच खेले जा चुके हैं। तीसरे और चौथे मैच के बीच अंतर है, इससे जहां एक ओर खिलाड़ियों को अपनी तैयारी का मौका मिला,वहीं टीम इंडिया के कई खिलाड़ी तो चोटिल भी हो गए हैं। इससे भारतीय टीम की टेंशन बढ़ी हुई नजर आ रही है। इस बीच खबर थी कि चौथे टेस्ट में हो सकता है कि जसप्रीत बुमराह को आराम मिल जाए, लेकिन अब ऐसा होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

इंग्लैंड ने अब तक खेले गए तीन मैचों में बना ली है लीड

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मेनचेस्टर में खेला जाएगा। इस वक्त टीम इंडिया सीरीज में पीछे चल रही है। पहला मुकाबला इंग्लैंड की टीम ने शानदार तरीके से अपने नाम किया था, इसके बाद दूसरे मैच में भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की और उसे जीतने में कामयाबी हासिल की। इससे सीरीज बराबरी पर पहुंची,लेकिन तीसरा मैच जीतकर इंग्लैंड ने एक बार फिर से बढ़त बना ली है। अब चौथा मैच काफी हद तक सीरीज तय करेगा। अगर इंग्लैंड की टीम ये मैच जीतने में सफल होती है तो फिर सीरीज भी उसी के पास चली जाएगी, वहीं अगर भारत ने इस मैच को जीत लिया तो सीरीज बराबरी पर आ जाएगी और आखिरी मैच से तय होगा कि सीरीज कौन सी टीम जीतेगी।

बुमराह को मेनचेस्टर टेस्ट में रेस्ट मिलना मुश्किल

इस बीच बात अगर जसप्रीत बुमराह की करें तो ये पहले से ही तय था कि सीरीज के दो मैच बुमराह नहीं खेलेंगे और तीन ही मुकाबले खेलेंगे। अब बचे हुए दो में से बुमराह को एक ही मैच और मिल सकेगा,ऐसा माना जा रहा है। लेकिन जिस तरह से खबर आई है कि अर्शदीप सिंह और आकाश दीप के अलावा नितीश कुमार रेड्डी अगला मैच नहीं खेल पाएंगे, उससे नहीं लगता कि बुमराह अगले मैच में रेस्ट कर पाएंगे। वैसे भी अगला मुकाबला इसलिए अहम है,क्योंकि टीम इंडिया सीरीज में पीछे है और अगला मैच हारते ही सीरीज भी हाथ से निकल जाएगी।

प्लेइंग इलेवन बनाने में ही होगी भारतीय टीम को मुश्किल

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। यानी चौथे और पांचवें मैच के बीच में कोई भी ज्यादा अंतर नहीं है। ऐसे में अगर जरूरत हुई तो बुमराह आखिरी टेस्ट में ही रेस्ट कर पाएंगे। लेकिन जिस तरह से भारतीय टीम चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही है, उससे तो लगता है कि भारतीय टीम को अपनी प्लेइंग इलेवन बनाने में भी खासी मशक्कत करनी होगी।

हंटर 2 का दमदार ट्रेलर जारी,जैकी श्रॉफ से भिड़ते नजर आए सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के दो दमदार सितारे सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ अब एक वेब सीरीज में एक दूसरे से दो-दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। सीरीज हंटर 2 में दोनों के बीच दुश्मनी देखने को मिलने वाली है। सीरीज का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है जिसमें भरपूर एक्शन देखने को मिल रहा है। इस सीजन की कहानी एक ऐसे सीनियर पुलिस अफसर विक्रम के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी अचानक तब बदल जाती है जब उसकी बेटी पूजा को अपराधी द सेल्समैन' किडनैप कर लेता है। ट्रेलर से साफ है कि इस बार केवल गोलियों और घूंसे की गूंज नहीं है, बल्कि एक पिता की इमोशनल साइड भी दिखाई गई है, क्योंकि उसी की बेटी के साथ अपराध हुआ है। विक्रम ने अपनी पत्नी से वादा किया है कि वो उनकी बेटी को जिंदा वापस लेकर आएगा। ये देखना होगा कि क्या वो सच में ऐसा कर पाता है क्योंकि ट्रेलर के आखिर में दिखा है कि उसे गोली लग जाती है।जहां एक ओर सुनील अपने पुराने किरदार में फिर से नजर आ रहे हैं,वहीं दूसरी ओर इस सीजन में जैकी श्रॉफ द सेल्समैन के किरदार से खलनायक बन गए हैं। जैकी का अंदाज ट्रेलर में खतरनाक नजर आता है। वो अपराध की दुनिया से जुड़ा हुआ खौफनाक अपराधी है जो अफसर की बेटी का अपहरण कर लेता है।इस ट्रेलर लॉन्च को खास बना दिया जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ ने,जो इस मौके पर अपने पिता को सपोर्ट करने पहुंचे। टाइगर ने कहा कि वो अपने पापा और सुनील शेट्टी दोनों को अपना आदर्श मानते हैं और इस सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं।इस सीरीज में अनुषा दांडेकर, बरखा बिष्ट,अनंग देसाई, प्रमोद पाठक और मेज़ल व्यास जैसे कलाकार भी शामिल हैं, जो कहानी में अपने-अपने किरदारों को मजबूती से पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। हंटर 2' को 24 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

दाऊद इब्राहिम इस हसीना के प्यार में था पागल

बॉलीवुड और ग्लैमर की दुनिया में स्कैंडल्स,अफेयर्स और विवाद कोई नई बात नहीं हैं। अभिनेत्रियां अक्सर अपने निजी और पेशेवर जीवन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं,चाहे वो किसी से फिल्मी रिश्ता हो, तलाक या फिर विवादित कनेक्शन,लेकिन इस बार कहानी किसी बॉलीवुड या साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस की नहीं,बल्कि पाकिस्तान की एक ऐसी अदाकारा की है,जो न सिर्फ अपनी खूबसूरती और अभिनय के लिए जानी जाती हैं, बल्कि एक बेहद सनसनीखेज नाम से भी जोड़ी गई, जो अंडरवर्ल्ड डॉन और भारत के मोस्ट वांटेड अपराधी दाऊद इब्राहिम। हम बात कर रहे हैं पाकिस्तानी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री मेहविश हयात की। मेहविश का नाम पाकिस्तानी सिनेमा की सबसे कामयाब और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में लिया जाता है। उन्होंने अपनी फिल्मों के जरिए करोड़ों दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन उनके करियर में एक ऐसा मोड़ भी आया, जब उनका नाम दाऊद इब्राहिम से जोड़ा गया और यहीं से शुरू हुई एक और विवादों से भरी कहानी। मेहविश ने फिल्मी करियर की शुरुआत जवानी फिर नहीं आनी (2015) से की थी। इसके बाद वह एक्टर इन लॉ (2016), पंजाब नहीं जाऊंगी (2017), लोड वेडिंग (2018) और लंदन नहीं जाऊंगा (2022) जैसी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। ये फिल्में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शुमार की जाती हैं और मेहविश को एक सफल कमर्शियल हीरोइन के तौर पर स्थापित करती हैं।

दाऊद इब्राहिम से जुड़ने की अफवाह

साल 2019 में जब मेहविश हयात को पाकिस्तान सरकार ने नागरिक सम्मान तमगा-ए-इम्तियाज से नवाजा, तभी से उनके बारे में अफवाहें फैलने लगीं कि उन्हें यह सम्मान अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की मदद से मिला है। कुछ रिपोर्ट्स में यह तक दावा किया गया कि दाऊद एक आइटम नंबर में उन्हें देखने के बाद उनके प्रति आकर्षित हो गया था और उसने उन्हें पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में प्रमुख भूमिकाएं दिलवाने में मदद की। यह भी कहा गया कि मेहविश और दाऊद के बीच का रिश्ता सिर्फ व्यक्तिगत नहीं बल्कि पेशेवर रूप से भी उन्हें ऊंचाई तक ले गया। हालांकि, मेहविश हयात ने कभी इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कहा है।

फन्ने खां में मिल सकती थी ऐश्वर्या की जगह

एक और दिलचस्प मोड़ तब आया जब यह खबर आई कि मेहविश हयात को बॉलीवुड फिल्म फन्ने खां में पहले ऐश्वर्या राय की भूमिका के लिए चुना जा रहा था। हालांकि, यह बात अंतिम रूप नहीं ले सकी और बाद में वह भूमिका ऐश्वर्या राय बच्चन को ही मिली। इससे यह जरूर साफ हो गया कि मेहविश को बॉलीवुड में भी गंभीरता से लिया जा रहा था।

राजनीति में कदम रखने की इच्छा

फिल्मों के अलावा मेहविश हयात का राजनीति में गहरी रुचि रखना भी चर्चा का विषय रहा है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलकर बताया कि वह एक दिन पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा, अगर इमरान खान जैसे क्रिकेटर देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं तो एक अभिनेता क्यों नहीं? मुझे लगता है कि हमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए राजनीति में आना चाहिए। मेहविश हयात तमाम राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती रही हैं। वो भारत-पाक विवाद पर भी बोलने से पीछे नहीं रहतीं।

राशा थडानी को पसंद आई सैयारा,अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया।आजाद' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सैयारा' की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती,तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो।राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। सैयारा' की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और हमें भावनाओं से जोडने् के लिए शुक्रिया।राशा की पोस्ट पर जवाब देते हुए अनीत ने लिखा, राशा, तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद, लव यू।मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा' की खूबसूरत कहानी के साथ ही खूबसूरत संगीत भी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।मोहित जहर', कलयुग', वो लम्हें', आवारापन' और आशिकी 2' जैसी फिल्मों का निर्माण कर नए सितारों को मौका दे चुके हैं।

CMYK

आज प्रदेश में कांग्रेस का नाकाबंदी प्रदर्शन

पूर्व सीएम बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मोह में झोंक दिया:अमर अग्रवाल

बिलासपुर,21 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य की गिरफतारी के खिलाफ कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है। आज मंगलवार को कांग्रेस प्रदेश के सभी संभाग के राष्ट्रीय राजमार्गों में आर्थिक नाकेबंदी करेगी। इस विरोध को लेकर पूर्व मंत्री व विधायक अमर अग्रवाल ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने 18 जुलाई को पूर्व सीएम भूपेश बघेल के घर पर छापेमार कार्रवाई के साथ ही शराब घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में उनके बेटे चैतन्य को गिरफ्तार किया है। ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है। पूर्व मंत्री अग्रवाल ने कांग्रेसियों से सवाल करते हुए कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य कांग्रेस के किस पद में हैं? जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं,उस व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है। इसका साफ मतलब है कि भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मोह में झोंक दिया है। तमनार में पेड़ कटाई को लेकर भूपेश बघेल ने सीएम रहते सिफारिश की,और अब विरोध करने पर ईडी की कार्रवाई का आरोप लगा रहे हैं। अमर अग्रवाल ने आगे कहा कि हमने पहले भी बड़े-बड़े ऐसे उदाहरण देखें हैं, जिसमें लोगों ने पुत्र मोह में खुद को भी बर्बाद किया और अपने पूरे साम्राज्य को भी बर्बाद किया। भूपेश बघेल इस दिशा में काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी।

कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस बेनकाब : पूर्व मंत्री अग्रवाल

पूर्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का खुलासा हो गया है। भाजपा ने तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के 5 वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को घोटालों का गढ़ बना दिया था। आज इन घोटालों के सभी आरोपी जेल जा रहे हैं। जिस तरह अपराधियों के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, वह दुर्भाग्यजनक है।

ईडी का चैतन्य बघेल को लेकर खुलासा

शराब घोटाले का 16 करोड़ 70 लाख कमीशन लिए थे...

रायपुर,21 जुलाई 2025(ए)। ईडी रायपुर,शराब घोटाले में गिरफ्तार पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को आज मंगलवार को विशेष कोर्ट में पेश करेगी। समझा जा रहा है कि ईडी रिमांड अवधि बढ़ाने का आग्रह करेगी। इससे पहले ईडी ने एक प्रेस नोट जारी कर कहा है कि चैतन्य इस घोटाले में 16.70 करोड़ रुपए मिले थे। और उसने इसे रियल एस्टेट कंपनियों में निवेश किया था। यह रकम नगद में ही लिया था।

आज तीन और गिरफ्तार

शराब घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ओडब्ल्यू ने पेशे से सीए संजय कुमार मिश्रा,मनीष मिश्रा और अभिषेक सिंह को गिरफ्तार किया है। संजय मिश्रा पेशे से सीए हैं और उनका नाम शराब घोटाले और कोल घोटाले से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों में सामने आया है। इन पर आरोप है कि,संजय और मनीष ने नेक्स्टजेन पावर कंपनी बनाई और एफएल 10 लाइसेंस लेकर राज्य में महंगी ब्रांडेड अंग्रेजी शराब की सप्लाई करते थे। उन्होंने घोटालों से प्राप्त अवैध धन को वित्तीय लेन-देन के जरिए वैध दिखाने का काम किया। वहीं, मनीष मिश्रा उनके भाई हैं। दोनों को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, चैतन्य बघेल और कारोबारी अनवर ढेबर का करीबी बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के दौरान घोटालों से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। हालांकि ईओडब्ल्यू की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

पटवारी मैडम ने ली रिश्वत तहसीलदार ने वापस लौटाए

बस्तर,21 जुलाई 2025 (ए)। लोहांड़ीगुड़ा तहसील में पट्टा बनाने के नाम पर महिला पटवारी ने ग्रामीणो

आदिवासियों से एक लाख रुपए की रिश्वत ली थी, जिसका शोर रायपुर तक आ गया, जिसके बाद तहसीलदार ने जो किया वो भी चर्चा का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि क्या रिश्वत रकम लौटाने के बाद महिला पटवारी प्रशासनिक कार्रवाई से बच पाएगी।

श्रमिक की ड्यूटी के दौरान करेंट लगने से मौत

रायगढ़ ,21 जुलाई 2025 (ए)। अंजनी स्टील प्लांट एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां काम करने आए एक श्रमिक की ड्यूटी के दौरान करेंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मृतक श्रमिक का नाम हैदर अंसारी था, जो 17 जुलाई को झारखंड से रायगढ़ के गेरवानी स्थित अंजनी स्टील प्लांट में काम के लिए पहुंचा था। 18 जुलाई को जब वो ड्यूटी पर था, तभी कोल क्रेशर साइड में क्रेन बुश बार के पास उसे जोरदार करंट लग गया।

बौखलाए नक्सलियों ने की 2 ग्रामीणों की हत्या

बीजापुर,21 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में लगातार चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान से बौखलाए नक्सलियों ने एक बार फिर ग्रामीणों को निशाना बनाया है। नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना तर्रेम थाना क्षेत्र की है। यह घटना रविवार देर रात की है। मृतकों की पहचान कवासी जोगा (55) निवासी ग्राम छुटवाई और मंगलू कुरसाम (50) निवासी बड़ा तर्रेम के रूप में हुई है। दोनों ग्रामीणों को नक्सलियों ने तर्रेम थाना क्षेत्र के छुटवाई गांव में देर रात धारदार हथियार से निर्ममता से हत्या को अंजाम दिया।

झोला छाप डॉक्टरों को दवा सप्लाई करने वाले मेडिकल स्टोर में औषधि विभाग की दबिश,नशीली और एक्सपायरी दवाएं जब्त

गरियाबंद,21 जुलाई 2025 (ए)। लंबे समय बाद गरियाबंद जिले में औषधि विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। आज राजिम के कुलेश्वर मेडिकल स्टोर में औचक निरीक्षण कर औषधि निरीक्षकों की टीम ने करीब चार घंटे तक जांच की। इस दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। मेडिकल स्टोर से न केवल एक्सपायरी और नियर-एक्सपायरी दवाएं बरामद की गईं,

ननकीराम ने एक और भर्ती घोटाले की जांच की मांग की

रायपुर,21 जुलाई 2025(ए)। पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता ननकीराम कंवर ने एक बार फिर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। कंवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर विभाग (जीएसटी) में वर्ष 2021 और 2022 में हुई पदोन्नति परीक्षाएं पूरी तरह से भ्रष्टाचार से भरी थीं और इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी से कराई जानी चाहिए। उन्होंने पत्र में बताया कि राज्य कर निरीक्षक के 42 पदों के लिए दो सालों में परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 350 कर्मचारियों ने भाग लिया। लेकिन इस परीक्षा में व्यापमं से सहयोग नहीं लिया गया, जबकि कर्मचारियों की मांग थी कि परीक्षा व्यापमं से कराई जाए। विभागीय अधिकारियों ने जानबूझकर खुद परीक्षा आयोजित की और गड़बड़ियां कीं।

कंवर ने आरोप लगाया कि जो कर्मचारी पास हुए, उनके अंक 80 से 100 प्रतिशत तक हैं, जो यह इशारा करते हैं कि उन्हें पहले से ही प्रश्न पत्र मिल चुके थे। उन्होंने कहा कि परीक्षा में विभागीय आयुक्त समीर बिश्नोई के पीए और अन्य अफसरों से जुड़े लोगों को चयनित किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं पर न तो कोई मोहर लगी थी, न किसी अधिकारी के हस्ताक्षर,जिससे आसानी से उत्तर बदले जा सकते थे। कई कर्मचारियों को पहले से ही अंदेशा था कि परीक्षा फर्जी तरीके से आयोजित की जा रही है। कंवर ने कहा कि समीर बिश्नोई, जो उस वक्त आयुक्त थे, इस वक्त मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के आरोप में जेल में हैं। इससे यह तय है कि परीक्षा भी भ्रष्ट तरीके से कराई गई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए और यदि गड़बड़ी साबित हो, तो भर्ती को रद्द कर दोबारा परीक्षा कराई जाए।

स्कूल ज्वाइन नहीं करने वाले शिक्षकों का वेतन बंद करने का आदेश

शिक्षा विभाग ने दिखाई सख्ती

रायपुर,21 जुलाई 2025(ए)। युक्तियुक्तकरण के तहत तबादले पर भेजे गए ऐसे शिक्षकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं, जिन्होंने नए स्कूल में जॉइन नहीं किया है। राज्य सरकार किसी भी सूरत में प्रभावित शिक्षकों को राहत देने को तैयार नहीं है। डीपीआई द्वारा जिलों से लगातार इस संबंध में रिपोर्ट तलब की जा रही है। इसी कड़ी में रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़ा आदेश जारी किया है। उन्होंने सभी बीईओ को जारी आदेश में स्कूल ज्वाइन नहीं करने वाले शिक्षकों के वेतन बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही 22 जुलाई तक रिपोर्ट मांगी गयी है।

डीईओ ने क्या दिया है आदेश

रायपुर जिला के धरसींवा, अभनपुर, आरंग और तिल्दा विकासखंड शिक्षा अधिकारी को भेजे पत्र में कहा गया है कि संदर्भित विषयांतर्गत छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के आदेश क्रमांक एफ 2-24/2024/20-तीन दिनांक 02.08.2024 एवं दिनांक 28.04.2025 के अनुपालन में शालाओं का युक्तियुक्तकरण किये जाने पश्चात विभिन्न शालाओं में अतिशेष शिक्षकों का काउसिंलिंग के माध्यम से युक्तियुक्तकरण किया जाकर जिला स्तर संभाग स्तर एवं राज्य स्तर पर पदस्थापना के आदेश जारी किये गये हैं।उपरोक्त युक्तियुक्तकरण के तहत जिन शिक्षकों के द्वारा नवीन पदांकित संस्था में कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया है, उनका वेतन आहरण आगामी आदेश पर्यन्त रोकते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावे। यह आदेश उन शिक्षकों के लिए लागू नहीं होगा जिन्हें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम राहत दी गई है। उक्त संदर्भित आदेश के परिपालन में आपके द्वारा की गयी कार्यवाही प्रारूप में दिनांक 22.07.2025 तक हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में अवगत कराना सुनिश्चित करें।

गजनी न बने भूपेश बघेल,वन मंत्री ने कहा-सब याद दिला देंगे

रायपुर,21 जुलाई 2025 (ए)। भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को बीते शुक्रवार के दिन, उनके जन्मदिन पर ही ईडी ने हिरासत में ले लिया था। उनपर आबकारी घोटाले में शामिल होने के आरोप लगे थे। पूर्व सीएम के बेटे को गिरफ्तार किये जाने के बाद प्रदेश की राजनीति में गरमा गई और सियासी बयानबाजी का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा का दावा है कि,जांच एजेंसिया अपना काम कर रही है। दूसरी तरफ विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे दुर्भावनापूर्ण तरीके से की गई कार्रवाई बताया है। कांग्रेस चैतन्य बघेल के गिरफतारी के खिलाफ लगातार धरना और विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस ने आने वाले दिनों में आर्थिक नाकेबंदी की भी चेतावनी दी है। जबकि जिला स्तर पर भी जोरदार प्रदर्शन किया गया था। इस बीच संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री को 'गजनी' करारा देते हुए कहा था कि,उन्हें सारी तारीख है याद दिला दी जानी चाहिए। कब उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए कोल ब्लॉक के लिए पर्यावरण स्वीकृति दी थी। वही केदार कश्यप के इस तंज कांग्रेस की तरफ से जोरदार पलटवार किया गया है। संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने मोर्चा सँभालते हुए कहा कि,केदार कश्यप गजनी खुद भी बने हुए हैं। वे आत्म अवलोकन करें कि,किस तरह से उनकी पत्नी की जगह उनकी साली परीक्षा दे रही थी।

पीएम आवास नहीं मिलने पर युवक ने की सुसाइड की कोशिश

धमतरी,21 जुलाई 2025(ए)। युवक ने कलेक्टर जनदर्शन में आत्महत्या करने की कोशिश की है। इस घटना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया है। लोगों ने युवक को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया है, जहां युवक का इलाज जारी है। वहीं इस घटना के बाद अधिकारी मौके पर मौजूद है और जांच कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार,युवक पीएम आवास के लिए बार-बार कलेक्टर ऑफिस के चक्कर काट रहा था, लेकिन उसका काम नहीं हो रहा था। इसके बाद आज युवक कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचा। युवक खुद के साथ पेट्रोल लेकर पहुंचा था और काम ना होने परेशान युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति करना राष्ट्रहित के खिलाफ:सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर,21 जुलाई 2025 (ए)। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन ऑपरेशन सिंदूर जैसे गौरवपूर्ण सैन्य अभियान पर विपक्ष द्वारा किए गए हंगामे को लेकर रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सांसद अग्रवाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य पराक्रम, रणनीतिक सूझबूझ और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। यह अभियान भारत की वैश्विक साख को मजबूत करने वाला और हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाला रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक और संवेदनशील विषय पर विपक्ष द्वारा संसद में अनावश्यक हंगामा और शोर-शराबा करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक है। देशहित से ऊपर राजनीति करना विपक्ष की दुर्बल मानसिकता को दर्शाता है। जहां देश की प्रतिष्ठा, सेना की शौर्यगाथा और राष्ट्रीय सुरक्षा की बात हो, वहां राजनीति नहीं, एकता होनी चाहिए। सांसद ने यह भी कहा कि सरकार देशहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष को भी जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए न कि देश की छवि धूमिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने अपील की कि राष्ट्र की एकता,अखंडता और गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए सभी मिलकर देश की प्रगति में सहभागी बनें।

सड़कों पर पंडाल,स्वागत द्वार को लेकर जनहित याचिका की सुनवाई

शासन ने समय मांगा तो कोर्ट ने कहा तब तक वर्तमान में अनुमति लेने की गाइडलाइंस रहेगी लागू

बिलासपुर,21 जुलाई 2025(ए)। सड़कों पर त्योहारी सीजन में बिना अनुमति के पंडाल और स्वागत द्वार इत्यादि लगाने को लेकर दायर की गई याचिका की सुनवाई आज मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की युगल पीठ में हुई। शासन की तरफ से कोर्ट से अतिरिक्त समय यह कहकर मांगा गया कि नई गाइडलाइंस कई विभागों के सहयोग से बनाई जा रही है, जिसमें कुछ समय लगेगा। कोर्ट ने आदेशित किया कि जब तक नई गाइडलाइंस नहीं आ जाती तब तक वर्तमान में अनुमति लेने की गाइडलाइंस लागू रहेगी।

राज्यपाल डेका ने कई विभागों के प्रमुख सचिवों की ली बैठक

रायपुर,21 जुलाई 2025 (ए)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज राजभवन में प्रधानमंत्री जनमन आदिवासी मर्हाअभियान के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे केवल फील्ड रिर्पोट पर निर्भर न रहें बल्कि निचले स्तर पर जाकर योजनाओं का क्रियान्वयन देखें। राज्यपाल डेका ने प्रदेश के पीएम जनमन क्षेत्रों में विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा की और संचालित कार्यो की जमीनी हकीकत देखने के लिए इन ग्रामों का दौरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि योजना का मूल उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों को केन्द्र द्वारा तय सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। इन वर्गो तक मूलभूत सुविधाएं शिक्षा,स्वास्थ्य,सड़क आदि देना पहली प्राथमिकता है। जो योजनाएं संचालित है वे तय समय पर पूर्ण हो जाएं। पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों में सुविधाएं पहुंचे इसके लिए सही एप्रोच जरूरी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के सहयोग और समन्वय से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव सहित एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)